नई शिक्षा - नीति - 2020

उच्च-शिक्षा विभाग, उत्तरप्रदेश शासन, लखनऊ

उत्तरप्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए न्यूनतम एकीकृत पाठ्यक्रम

विषय-संस्कृत

पाठ्यक्रम निर्माण के दिशा-निर्देशों के अनुरूप
(स्नातक के प्रथम तीन वर्षों के लिए)

प्रदेश-स्तरीय पाठ्यक्रम निर्माण समिति

माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर
Maa Shakumbhari University, Saharanpur

पाठ्यक्रम समिति द्वारा संशोधित, परिवर्धित एवम् अनुमोदित पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र 2021-2022 एवम् आगे के वर्षों के लिए

National Education Policy-2020

Common Minimum Syllabus for all U.P. State Universities/Colleges

SUBJECT :- SANSKRIT

Steering Committee

Name	Designation	Affiliation
Mrs. Monika S. Garg, (I.A.S.), Chairperson Steering Committee	Additional Chief Secretary	Dept. of Higher Education U.P., Lucknow
Prof. Poonam Tandan	Professor, Dept. of Physics	Lucknow University, U.P.
Prof. Hare Krishna	Professor, Dept. of Statistics	CCS University Meerut, U.P.
Dr. Dinesh C. Sharma	Associate Professor, Dept. of Zoology	K.M. Govt. Girls P.G. College Badalpur, G.B. Nagar, U.P.

- **Supervisory Committee - Language Stream**

Prof. Anita Rani Rathore	Principal	Govt. Degree College Gabhana
Prof. Ramesh Prasad	Associate Professor & HOD Department of Pali	Sampoornanand Sanskrit University
Dr. Puneet Bisaria	Associate Professor, Department of Hindi	Bundelkhand University
Dr. Deepti Bajpai	Associate Professor, Department of Sanskrit	K.M. Govt. Girls P.G. College Badalpur

Syllabus Developed by :-

S. N.	Name	Designation	Deptt.	College/University
1.	Dr. Deepti Bajpai	Member Faculty Supervisory Committee-Language & Associate Professor	Sanskrit	K.M. Govt Girls PG College, Badalpur, G.B. Nagar U.P.
2.	Dr. Shardindu Kumar Tripathi	Associate Professor	Sanskrit	Banaras Hindu Univ., Varanasi
3.	Dr. Prayag Narayan Mishra	Assistant Professor	Sanskrit	LucknowUniversity, Lucknow
4.	Dr. Neelam Sharma	Assistant Professor	Sanskrit	K.M. Govt Girls PG College, Badalpur, G.B. Nagar U.P.

नई शिक्षा नीति 2020

उच्च-शिक्षा विभाग, उत्तरप्रदेश शासन, लखनऊ
उत्तरप्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए न्यूनतम एकीकृत पाठ्यक्रम

विषय-संस्कृत
पाठ्यक्रम निर्माण के दिशा-निर्देशों के अनुरूप
(स्नातक के प्रथम तीन वर्षों के लिए)

प्रदेश स्तरीय पाठ्यक्रम निर्माण समिति

डॉ० दीप्ति वाजपेयी	**डॉ० शरदिन्दु कुमार त्रिपाठी**	**डॉ० प्रयाग नारायण मिश्र**	**डॉ० नीलम शर्मा**
(पर्यवेक्षक) एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय,बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर	(विषय विशेषज्ञ) एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृतविभाग बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी	(विषय विशेषज्ञ) असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	(विषय विशेषज्ञ) असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर

नई शिक्षा - नीति - 2020

उत्तरप्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए न्यूनतम एकीकृत पाठ्यक्रम

विषय - संस्कृत (स्नातक स्तर - मुख्य पाठ्यक्रम)

MS UNIVERSITY, SAHARANPUR			FACULTY & SUBJECT PAPER WISE CODE LIST						NEP - 2020
ARTS FACULTY (FACULTY CODE: A-1)									
02. SANSKRIT (102)									
1st YEAR									
S.No.	**COURSE**	**PAPER CODE**	**CODE**	**TITLE of PAPER**	**INTERNAL (M.M)**	**EXTERNAL (M.M)**	**TOTAL (M.M)**	**CREDIT**	**SEM.**
1.	B.A	0110201	A020101T	संस्कृत-पद्य साहित्य एवं व्याकरण	25	75	100	6	1
2.	B.A	0210201	A020201T	संस्कृत-गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग	25	75	100	6	2
2nd YEAR									
3.	B.A	0310201	A020301T	संस्कृत-नाटक एवं व्याकरण	25	75	100	6	3
4.	B.A	0410201	A020401T	काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल	25	75	100	6	4
3rd YEAR									
5.	B.A	0510201	A020501T	वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय-दर्शन	25	75	100	5	5
6.	B.A	0510202	A020502T	व्याकरण एवं भाषा-विज्ञान	25	75	100	5	5
7.	B.A	0610201	A020601T	आधुनिक संस्कृत-साहित्य	25	75	100	5	6
निम्नलिखित में से कोई एक									
8.	B.A	0610202	A020602T	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	25	75	100	5	6
9.	B.A	0610203	A020603T	आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान	25	75	100	5	6
10.	B.A	0610204	A020604T	भारतीय वास्तुशास्त्र	25	75	100	5	6
11.	B.A	0610205	A020605T	ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त	25	75	100	5	6
12.	B.A	0610206	A020606T	नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान	25	75	100	5	6

विषय-संस्कृत (स्नातक स्तर)

Programme Outcomes (POs)

- विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी।
- सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषागत पारंगता प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
- आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे।
- नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से मूल्यवान व्यक्तित्वधारी होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक - नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

- सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृतभाषा के प्राचीन महत्त्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने- समझने योग्य होंगे।
- संस्कृत-साहित्य की विभिन्न विधाओं (गद्य, पद्य, नाटक, व्याकरण इत्यादि) से सुपरिचित होकर संस्कृत-मर्मज्ञ बन सकेंगे।
- संस्कृत-व्याकरण के विभिन्न अंगों के ज्ञान द्वारा भाषा के शुद्ध-अध्ययन, लेखन एवं उच्चारण-माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।
- आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, नित्यनैमित्तिक कर्मकांड इत्यादि के माध्यम से जीविकोपार्जन के योग्य बनेंगे।
- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत-साहित्य की समृद्धता एवं तन्निहित- नैतिकता व आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्त्व को वैश्विकस्तर तक पहुंचाने में सक्षम होंगे।
- धर्म-दर्शन, आचार-व्यवहार, नीतिशास्त्र एवं भारतीयसंस्कृति के मूलतत्त्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान्-मानव एवं कुशल-नागरिक बनेंगे।
- समसामयिक-समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत-साहित्य में निबद्ध सर्वांगीणता के प्रति शोधपरक-दृष्टि का विकास होगा।

Programme/Class : **Certificate** कार्यक्रम/वर्ग - **सर्टिफिकेट**	Year : **First** वर्ष - **प्रथम**	Semester : **I** सेमेस्टर - **प्रथम**

विषय - संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड - 0110201/ A020101T	प्रश्नपत्र शीर्षक - **संस्कृत-पद्य साहित्य एवं व्याकरण**	**Theory**

Course outcomes :

अधिगम उपलब्धियाँ –

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
2. वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
3. उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छंद, अलङ्कारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
4. पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
5. विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ-साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर-उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे।
6. संस्कृत-व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
7. संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण-कौशल का विकास होगा।
8. स्वर एवं व्यंजन के मूल-भेद को समझ कर पृथक अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
9. स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Credits : 6	**Core Compulsory**
Max. Marks : 25+75	**Min. Passing Marks :**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : L-T-P: 6-0-0

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य-विषय**	**No. of Lect.** **व्याख्यान-संख्या**
	प्रथम-भाग (PART-1)	
I.	**क** - संस्कृत-वाङ्मय में पारंपरिक ज्ञान-विज्ञान एवं राष्ट्र गौरव - भारतीय दर्शन, भूगोल एवं खगोल, गणित, ज्योतिष तथा वास्तु, योग, आयुर्वेद, अर्थशास्त्र, विज्ञान, संगीत इत्यादि का सामान्य परिचय **ख** - संस्कृत काव्य एवं व्याकरण का सामान्य परिचय **प्रमुख कवि एवं वैयाकरण आचार्य** - वाल्मीकि, वेदव्यास, कालिदास, भारवि, माघ, श्रीहर्ष, पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि	**4** **8**
II.	**रघुवंशम् -** प्रथम: सर्ग: (श्लोक सं० 1 से 50) (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	**11**
III.	**कुमारसम्भवम् -** पंचमः सर्ग: (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	**12**
IV.	**नीतिशतकम्** (श्लोक संख्या 1 से 25) (अर्थ एवं मूल्यपरक प्रश्न)	**10**

द्वितीय भाग (PART - 2)

V.	**संज्ञा-प्रकरणम्** (लघु-सिद्धांत-कौमुदी)	12
VI.	**अच्सन्धिः** (सूत्र-व्याख्या एवं सूत्र निर्देश - पूर्वक सन्धि एवं सन्धि-विग्रह)	12
VII.	**हल्सन्धिः** (सूत्र-व्याख्या एवं सूत्र निर्देश - पूर्वक सन्धि एवं सन्धि-विग्रह)	11
VIII.	**विसर्गसन्धिः** (सूत्र-व्याख्या एवं सूत्र निर्देश-पूर्वक सन्धि एवं सन्धि-विग्रह)	10

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested Readings:

संस्तुत ग्रन्थ -

1. कुमारसम्भवम् - पंचमः सर्गः, हिन्दीसंस्कृतटीकासहितम्, डॉ राजेश्वर शास्त्री मुसलगांवकर
2. कुमारसम्भवम् - पंचमः सर्गः, हिन्दीसंस्कृतटीकासहितम्, आचार्य शेषराजशर्मा 'रेग्मीः', दिल्ली।
3. कुमारसम्भवम् - पंचमः सर्गः, सारस्वतम् पब्लिकेशन website www.saraswatam.com https://saraswatam.com/stgapi/public/uploads/category/pdf/1614872059859KUMARSAMBHAV%205%20SARG%207.02.pdf
4. कुमारसम्भवम् - पंचमः सर्गः, डॉ शिवबालक द्विवेदी
5. रघुवंशम्, हिन्दी-संस्कृत टीका सहितम्, आचार्य शेषराज शर्मा 'रेग्मी', चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी।
6. रघुवंशम् (प्रथम सर्ग), व्याख्याकार - महावीर शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
7. नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2008।
8. नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली, 2003।
9. संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी।
10. संस्कृतसाहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबाभारती अकादमी, वाराणसी, 2012
11. संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण, 1997
12. लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993
13. लघुसिद्धांतकौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन।
14. लघुसिद्धांतकौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन।
15. लघुसिद्धांतकौमुदी (संज्ञा-सन्धि-प्रकरण), डॉ वेदपाल, साहित्य भंडार, मेरठ।
16. लघुसिद्धांतकौमुदी, डॉ रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
17. लघुसिद्धांतकौमुदी, डा. सत्यपाल सिंह, शिवालिक प्रकाशन, शक्तिनगर दिल्ली।
18. रचनानुवादकौमुदी, डा. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत-मूल्यांकन-

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 15 अङ्क

अथवा

संस्कृत श्लोकों के शुद्ध उच्चारण की प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा **अथवा** माहेश्वर सूत्र एवं प्रत्याहार-निर्माण एवं मौखिकी **(ख)** लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु-उत्तरीय) 10 अङ्क
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)
Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in 1. https://www.sanskritfromhome.org/course-listing 2. https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB 3. https://unacademy.com/a/teacher-eligibility-test-tet/ctet-paper-1/10-best-classes-in-sanskrit.html
Further Suggestions: ....

Programme/Class: UG Minor Elective for other faculties	Year: **वर्ष प्रथमम्**	Semester: First **प्रथमं सत्रम्**
Subject: **संस्कृतम्**		
Course Code: __10250	Course Title: **संस्कृतगौरवम्**	**Theory**

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धय:** **1-** विद्यार्थी संस्कृत भाषा में निहित ज्ञान परम्परा के विविध आयामों से परिचित होंगे। **2-** वैदिक मन्त्रों के अनुशीलन से भारतीय संस्कृति की कल्याणोन्मुखता का बोध होगा। **3-** परमपुनीता श्रीमद्भगवद्गीता का परिचय दर्शन के विषय में अभिरुचि जाग्रत करेगा। **4-** साहित्य के अनुशीलन से संस्कृत भाषा की सरसता सौन्दर्य और सर्वहित की भावना से परिचित होंगे। **5-** संस्कृत पर्यायवाची और ध्येयवाक्यों के द्वारा भाषा ज्ञान और सामान्य ज्ञान में वृद्धि होगी।

Credits: 04	Minor Elective
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	**Topics**	**No. of Lectures Total- 60**
I	**भारतीय दर्शन, योग, आयुर्वेद,ज्योतिष -** सामान्य परिचय। **वाल्मीकि, वेदव्यास, कालिदास, बाणभट्ट, पाणिनि, पतञ्जलि।** (सामान्य परिचय)	10
	वैदिक साहित्य- (अर्थ मात्र)	20

	भ॒द्रं कर्णे॑भिः शृणुयाम देवा भ॒द्रं प॑श्येमा॒क्षभि॑र्यजत्राः । स्थि॒रैरङ्गै॑स्तुष्टुवांस॑स्त॒नूभि॒र्व्य॑शेम दे॒वहि॑तं॒ यदायुः॑ ॥, ओ३म् भूर्भुवः स्वः तत्स॑वि॒तुर्वरे॑ण्यं॒ भर्गो॑ दे॒वस्य॑ धीमहि । धियो॒ यो नः॑ प्रचो॒दया॑त् ॥ ओ३म् स्वस्ति पन्थामनुचरेम सूर्याचन्द्रमसाविव । पुनर्ददताघ्नता जानता सं गमेमहि ।, संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम् । देवा भागं यथापूर्वे संजानाना उपासते ।। **यजुर्वेदः -** ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् । उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात् ।। आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतोऽदब्धासो अपरितासउद्भिदः । देवा नो यथा सदमिद् वृधे असन्नप्रायुवो रक्षितारो दिवे दिवे ॥ विश्वा॑नि देव सवितर्दुरि॒तानि॒ परा॑ सुव । यद्भ॒द्रं तन्न॒ आ सु॑व ॥५ ॥ यां मेधां देवगणाः पितरश्चोपासते । तया मामद्य मेधयाऽग्ने मेधाविनं कुरु स्वाहा ॥२ ॥ तच्चक्षु॑र्दे॒वहि॑तं शु॒क्रमु॒च्चर॑त् । पश्ये॑म श॒रदः॑ श॒तं जीवे॑म श॒रदः॑ श॒तम्............ ॥ **सामवेदः -** यो महिष्ठो मघोनामशुर्न शोचिः । चिकित्वो अभि नो नयेन्द्रो विदे तमु स्तुहि ॥६४५ **अथर्ववेदः -** अभ॑यं मि॒त्रादभ॑यम॒मित्रा॒दभ॑यं ज्ञा॒तादभ॑यं पु॒रो यः । अभ॑यं॒ नक्त॒मभ॑यं दिवा नः॒ सर्वा॒ आशा॒ मम॑ मि॒त्रं भ॑वन्तु ॥ भद्रमिच्छन्त ऋषयः स्वर्विदस्तपो दीक्षामुपनिषेदुरग्रे । ततो राष्ट्रं बलमोजश्च जातं तदस्मै देवा उपसंनमन्तु ॥ **ऐतरेय ब्राह्मणम् -** चरन् वै मधु विन्दति चरन् स्वादुमुदुम्बरम् । सूर्यस्य पश्य श्रेमाणं यो न तन्द्रयते चरंश्चरैवेति ॥ **ईशावास्योपनिषद् -**	
II.		

	ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्। तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्यस्विद्धनम् ॥ **कठोपनिषद् -** उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत। क्षुरस्य धारा निशिता दुरत्यया दुर्गं पथस्तत्कवयो वदन्ति ॥ **मुण्डकोपनिषद् -** सत्यमेव जयते नानृतं सत्येन पन्था विततो देवयानः। येनाक्रमन्त्यृषयो ह्याप्तकामा यत्र तत् सत्यस्य परमं निधानम् ॥	
III	**श्रीमद्भगवद्गीता द्वितीय अध्यायः -** श्लोकाः 16 तः 30 यावत् **नीतिशतकम् -** 01 तः 14	14
IV	**बलिवैश्वदेवयज्ञः** (लघुकथा) - विजयलक्ष्मी	08
V	**संस्कृतपर्यायवाचिनः शब्दाः -** अग्निः, वायुः, आकाश, सूर्यः, चन्द्रमा, भूमिः, दिवस, रात्रि, जलम्, कमलम्, अध्यापक, भवनम्, अमृत, वृक्षः, पुष्पम्, अश्वः, देहः, पुत्रः, पुत्री, समाचारः, **ध्येयवाक्यानि -** भारत सरकार - सत्यमेव जयते, लोकसभा - धर्मचक्र प्रवर्तनाय, उच्चतम न्यायालय - यतो धर्मस्ततो जयः , दूरदर्शन- सत्यं शिवं सुन्दरम्, भारतीय जीवन बीमा निगम - योगक्षेमं वहाम्यहम्, श्रम मंत्रालय- श्रम एव जयते, थल सेना - सेवा अस्माकं धर्म, वायु सेना - नभः स्पृशं दीप्तम्, जल सेना - शं नो वरुणः, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान- शरीरमाद्यं खलुधर्मसाधनम्, माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय- तेजस्विनावधीतमस्तु।	08

Teaching Learning Process: lecture, Class discussions/demonstrations, Power point presentations, Class activities/assignments, etc.

Suggested Readings:-

संस्तुत ग्रन्थाः-

1- ऋक्सूक्त-संग्रह- डॉ हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ

2- सूक्त प्रकाशन - प्रोफ़ेसर विश्वंभर नाथ त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

3- नीतिशतकम् भर्तृहरि, ज्ञान प्रकाशन,मेरठ

4- नीतिशतकम् भर्तृहरि, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ

5- श्रीमद्भगवद्गीता, गीताप्रेस गोरखपुर

6- श्रीमद्भगवद्गीता द्वितीय अध्यायः,साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ

7- Gita Supersite https://www.gitasupersite.iitk.ac.in/

6- अमरकोश https://epustakalay.com/book/287860-amarkosh-by-shreemad-mar-singh/

7- https://ia903208.us.archive.org/18/items/amarakosha_maheshvara/amarakosha_maheshvara_commentary.pdf 8- संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी https://epustakalay.com/book/15134-sanskrit-shastron-ka-itihas-by-aacharya-baldeva-upadhyay/
This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: **Only for students of other subjects - संस्कृतेतर विद्यार्थियों के लिए**
Suggested Continuous Evaluation Methods: **प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-** **(क)** पाठ्यक्रम के विषयों पर आधारित अधिन्यास (assignment) 15 अंक **(ख)** लिखित-परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) 10 अंक
Course prerequisites: **for students of other subjects only - संस्कृतेतर विद्यार्थियों के लिए**
Suggested equivalent online courses: E-learning in Sanskritam https://www.sanskritfromhome.org/course-listing https://www.sanskritfromhome.org/course-listing
Further Suggestions: ....

Programme/class **Certificate** कार्यक्रम/वर्ग- **सर्टिफिकेट**		Year : **First** वर्ष - **प्रथम**	Semester : **II** सेमेस्टर – **द्वितीय**
विषय – **संस्कृत**			
प्रश्नपत्रकोड - 0210201/A020201T	प्रश्नपत्र शीर्षक - **संस्कृत-गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक-अनुप्रयोग**		**Theory**

Course outcomes :

अधिगम उपलब्धियाँ -

1. विद्यार्थी संस्कृत-गद्य साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, गद्य-काव्य के भेदों सुपरिचित हो सकेंगे।
2. संबंधित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
3. राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे।
4. अनुवाद - कौशल में वृद्धि होगी।
5. संस्कृत गद्य के धाराप्रवाह एवं शुद्ध-वाचन का कौशल विकसित होगा।
6. विद्यार्थी संगणक का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, अधिगम-क्षमता में वृद्धि हेतु इसका उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे।
7. E-content एवं डिजिटल लाइब्रेरी का उपभोग कर पाने में समर्थ होंगे।
8. संस्कृतभाषा और साहित्य के नित-नूतन अन्वेषण को खोज पाने तथा उससे स्व-ज्ञानकोष में वृद्धि कर

पाने योग्य होंगे। **9.** संगणक के प्रयोग के माध्यम से संस्कृत - ज्ञान के प्रचार-प्रसार एवं आदान-प्रदान करने में कुशल बनेंगे। **10.** पारंपरिक एवं वैश्विक ज्ञान में सामंजस्य बनाकर ज्ञान की अभिवृद्धि करने एवं जीविकोपार्जन के नए मार्ग खोजने का कौशल विकसित होगा।			
Credits : 6		**Core Compulsory**	
Max. Marks: 25+75		**Min. Passing Marks :**	
Total No. of Lectures - Tutorials- Practical (in hours per week): L-T-P : 6-0-0.			

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान-संख्या
	प्रथम-भाग (PART - 1)	
I.	**गद्य-साहित्य का उद्भव एवं विकास** **प्रमुख- साहित्यकार -** बाणभट्ट, दण्डी, सुबन्धु, अम्बिकादत्त व्यास, पण्डिता क्षमाराव।	**11**
II.	**शुकनासोपदेशः** (व्याख्या)।	**12**
III.	**शिवराजविजयम्-प्रथम निश्वास** (व्याख्या)।	**12**
IV.	**उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।**	**10**
	द्वितीय भाग Part - 2	
V.	**अनुवाद -** हिन्दी से संस्कृत में (नियम निर्देश-पूर्वक)। (कारक एवं विभक्ति का ज्ञान अपेक्षित)	**12**
VI.	**अनुवाद -** संस्कृत (अपठित) से हिन्दी अथवा अंग्रेजी में ।	**11**
VII.	**कंप्यूटर का सामान्य परिचय, संस्कृत की दृष्टि से कंप्यूटर की उपयोगिता, विभिन्न सॉफ्टवेयर।** **कंप्यूटर में संस्कृत-हिन्दी-लेखन हेतु उपयोगी टूल्स - यूनिकोड, गूगल इनपुट टूल, गूगल असिस्टेंट एवं वॉइस टाइपिंग आदि ।**	**12**
VIII.	**इंटरनेट का प्रयोग एवं वेब-सर्च, ई-टेक्स्ट, ई-बुक्स, ई-रिसर्च जनरल, ई-मैग्जीन, डिजिटल–लाइब्रेरी।** **ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग प्लेटफॉर्म - जूम, टीम, मीट, वेब–एक्स।** **ऑनलाइन लर्निंग एवं रिसर्च प्लेटफार्म स्वयं, मूक, ई-पाठशाला, डेलनेट, इनफ्लाइब्नेट, शोधगंगा, गूगल स्कॉलर आदि।**	**10**

Suggested Readings:-
संस्तुत ग्रन्थाः

1. शुकनासोपदेशः, बाणभट्ट, संपा. चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मीप्रकाशन, आगरा, I संस्करण 1986-87।
2. शुकनासोपदेशः, रामनाथ शर्मा 'सुमन', साहित्य भंडार, मेरठ।
3. शुकनासोपदेशः, डॉ महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

4. शुकनासोपदेशः, (कादम्बरी), डॉ उमेशचंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर।
5. शिवराजविजयम्, अंबिकादत्त व्यास, संपा. शिवकरण शास्त्री महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
6. शिवराजविजयम्, डॉ रमाशंकर मिश्र, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी।
7. शिवराजविजयम्, डॉ महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
8. शिवराजविजयम्, डॉ देव नारायण मिश्र, साहित्य भण्डार, मेरठ।
9. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी।
10. साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, डॉ उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर।
11. संस्कृतसाहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबाभारती अकादमी, वाराणसी, 2012।
12. संस्कृतसाहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997।
13. संस्कृत-व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 2007।
14. अनुवाद-चंद्रिका, डॉ यदुनंदन मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
15. अनुवाद - चंद्रिका, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
16. अनुवाद- चंद्रिका, चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999।
17. संस्कृत-रचना, वी० एस० आप्टे, (अनु०) उमेशचंद्र पांडेय, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी, 2008।
18. रचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011।
19. कंप्यूटर का परिचय, गौरव अग्रवाल, शिवा प्रकाशन, इंदौर।
20. कंप्यूटर फंडामेंटल, पी. के सिन्हा, बी.पी.बी पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
21. इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, सुमिता अरोरा, धनपत राय पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
22. व्यावहारिक संस्कृत -प्रशिक्षक
https://bharatavani.in/bharatavani/home/book?id=%E0%A4%B5%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%B5%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%BF%E0%A4%95%20%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%95%E0%A5%83%E0%A4%A4%20%E0%A4%AA%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%B6%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%B7%E0%A4%95%20%7C%20Vyavaharik%20Sanskrit%20Prashichhak%EF%BB%BFa
23. https://www.careers360.com/university/indian-institute-of-technology-kharagpur/advanced-level-of-spoken-sanskrit-certification-course

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)..

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत-मूल्यांकन-

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी **15** अङ्क

अथवा

लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु-उत्तरीय)

अथवा संस्कृत-सम्भाषण **(ख)** संगणक - प्रायोगिक परीक्षा **10** अङ्क
Course prerequisites :- सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)..
Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in **1.** https://www.sanskritfromhome.org/course-listing **2.** https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB **3.** https://unacademy.com/a/teacher-eligibility-test-tet/ctet-paper-1/10-best-classes-in-sanskrit.html
Further Suggestions: ....

Programme/class **Certificate** कार्यक्रम/वर्ग- **सर्टिफिकेट**	Year : **Second** वर्ष - **द्वितीय**	Semester : **III** सेमेस्टर - **तृतीय**
विषय – **संस्कृत**		
प्रश्नपत्रकोड - 0310201/ A020301T	प्रश्नपत्र शीर्षक – **संस्कृत-नाटक एवं व्याकरण**	**Thorey**

Course outcomes :

अधिगम उपलब्धियाँ -

1. संस्कृत-नाट्य-साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे।
2. नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे।
3. नाटक में प्रयुक्त रस, छन्द एवं अलङ्कारों का सम्यक् बोध कर सकेंगे।
4. संवाद एवं अभिनय कौशल में पारङ्गत होंगे।
5. नवीन-पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी।
6. भारतीय सांस्कृतिक-तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात् कर, भारतीयता के गर्वबोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे।
7. व्याकरण-परक शब्दों की सिद्धि प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।
8. व्याकरण-शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य-विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।

Credits : 6	**Core Compulsory**
Max. Marks : 25+7	**Min. Passing Marks :**
Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 6-0-0	

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान-संख्या
	प्रथम-भाग (PART - 1)	
I.	**नाट्यसाहित्य-परम्परा तथा प्रमुख नाटककार -** भास, कालिदास, अश्वघोष, शूद्रक, हर्ष, भवभूति, विशाखदत्त, भट्टनारायण।	**12**
II.	**स्वप्नवासवदत्तम्** (प्रथम अङ्क) व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	**11**
III.	**अभिज्ञानशाकुन्तलम्** (1 से 2 अङ्क) व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	**11**
IV.	**अभिज्ञानशाकुन्तलम्** (3 से 4 अङ्क) व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	**11**
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V.	**कृदन्तप्रकरण (लघु-सिद्धान्त - कौमुदी)** **कृत्य -** तव्यत्, अनीयर्, यत्, ण्यत्। **कृत्-** तुमुन्, त्त्वा, ल्यप्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, ण्वुल, तृच्, णिनि।	**11**
VI.	**तद्धितप्रकरण -** अपत्यार्थ (लघु- सिद्धान्तकौमुदी)।	**11**
VII.	**विभक्त्यर्थप्रकरण** (लघु-सिद्धान्त - कौमुदी)। **समासप्रकरण -** केवलसमास पर्यन्त (लघुसिद्धान्तकौमुदी)।	**12**
VIII.	**स्त्रीप्रत्यय** (लघुसिद्धान्तकौमुदी)।	**11**

Suggested Readings:-

संस्तुत ग्रन्थ-

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजय कुमार प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान गोरखपुर।
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
4. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ निरूपण विद्यालङ्कार, साहित्य भंडार, मेरठ।
5. स्वप्नवासवदत्तम्, श्री तरणीश झा, रामनारायण लाल बेनीमाधव प्रकाशक, इलाहाबाद।
6. स्वप्नवासवदत्तम्, जयकृष्णदास हरिदास गुप्त, चौखंबा संस्कृत सीरीज, वाराणसी।
7. स्वप्नवासवदत्तम्, डॉ. संगीता अग्रवाल, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ।
8. संस्कृत-नाटक- उद्भव और विकास, डॉ ए.वी. कीथ, अनुवादक उदयभानु सिंह।
9. नाट्य - साहित्य का इतिहास और नाट्य- सिद्धांत, जयकुमार जैन, साहित्य भंडार, मेरठ, 2012।
10. संस्कृत के प्रमुख नाटककार और उनकी कृतियां, डॉ गंगासागर राय।
11. संस्कृत-साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी, 2012।
12. संस्कृत-साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी, पञ्चम् संस्करण 1997।
13. लघु-सिद्धान्त-कौमुदी, वरदराज, भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993।
14. लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन।
15. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ उमेशचंद्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन।
16. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) …………………………………………………………………………
Suggested Continuous Evaluation Methods: **प्रस्तावित सतत-मूल्यांकन-** **(क)** पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटकों पर आधारित संवाद एवं अभिनय कौशल-परीक्षा **15** अङ्क अथवा पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी **(ख)** लिखितपरीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु-उत्तरीय) **10** अङ्क
Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)………………………………**
Suggested equivalent online courses: **1.** E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in **2.** https://www.sanskritfromhome.org/course-listing **3.** https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB
Further Suggestions: ………………………………………………

Programme/class **Diploma** कार्यक्रम/वर्ग- **डिप्लोमा**	Year : **Second** वर्ष - **द्वितीय**	Semester : **IV** सेमेस्टर - **चतुर्थ**
विषय – **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड - 0410201/ A020401T	**प्रश्नपत्र-शीर्षक- काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन-कौशल**	**Thorey**
Course outcomes: **अधिगम उपलब्धियाँ-** **1.** विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे। **2.** छन्द-भेद एवं उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे। **3.** संस्कृत-अलङ्कारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौंदर्य का बोध कर सकेंगे। **4.** कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा। **5.** शब्द - ज्ञानकोष में वृद्धि होगी। **6.** व्याकरण-शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य - विन्यास - कौशल का विकास हो सकेगा। **7.** विद्यार्थियों में निबंध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा। **8.** संस्कृत पत्र - लेखन - कौशल में वृद्धि होगी। **9.** अपठित अंश के माध्यम से विषयवस्तु अवबोध एवं अभिव्यक्ति का कौशल विकसित होगा।		
Credits : 6	**Core Compulsory**	

Max. Marks : 25+75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 6-0-0

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान-संख्या
	प्रथम-भाग (PART - 1)	
I	**संस्कृत-काव्यशास्त्र-परम्परा :** प्रमुख आचार्य व उनके ग्रन्थ - भरत, भामह, दण्डी, वामन, आनन्दवर्धन, अभिनव गुप्त, कुन्तक, क्षेमेंद्र, मम्मट, विश्वनाथ, जगन्नाथ।	12
II	**साहित्यदर्पण** (प्रथम- परिच्छेद) कारिकाओं की व्याख्या मात्र।	11
III	**छन्द** (वृत्तरत्नाकर से अधोलिखित छन्द) अनुष्टुप, आर्या, वंशस्थ, द्रुतविलंबित, भुजङ्गप्रयात, बसन्ततिलका, इन्द्रवज्रा, उपेंद्रवज्रा, उपजाति, मालिनी, मन्दाक्रांता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा।	11
IV	**अलङ्कार** (काव्यदीपिका से अधोलिखित अलङ्कार) अनुप्रास, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान, दृष्टांत, निदर्शना, विभावना, विशेषोक्ति, अर्थान्तरन्यास, समासोक्ति।	11
	द्वितीय-भाग (PART-2)	
V	**निबन्धा: -** वेदाः, प्रियः कविः, संस्कृतभाषा, योगस्य उपादेयता, नैतिकमूल्यानि।	12
VI	**पत्र-व्यवहारः** (रचनानुवादकौमुदी)।	11
VII	**सम-सामयिक विषयों पर अनुच्छेद-लेखन।** **अथवा** **विज्ञापन** **अथवा** **समाचार-लेखन।**	11
VIII	**अपठित गद्यांश अथवा पद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर**	11

Suggested Readings:-

संस्तुत ग्रन्थ-

1. साहित्य-दर्पण (विश्वनाथ कविराज), सत्यव्रत सिंह, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी।
2. साहित्य-दर्पण, शालिग्राम शास्त्री मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी।
3. साहित्य-दर्पण, राज किशोर सिंह प्रकाशक केंद्र, लखनऊ।
4. वृत्तरत्नाकरः श्री केदारभट्ट, (व्या.) बलदेव उपाध्याय, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2011।
5. छन्दोऽलंकारसौरभम्, डॉ. सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2009।
6. छन्दोऽलंकारसौरभम्, प्रो. राजेंद्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. छन्दमञ्जरी - विकास, हरिदत्त उपाध्याय।
8. काव्यदीपिका, कांतिचंद्र भट्टाचार्य, साहित्य भंडार, मेरठ।
9. काव्यदीपिका, डॉ बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
10. साहित्यामृतम् - वागीश शर्मा दिनकर, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
11. संस्कृत-साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित

2012। 12. संस्कृत-साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997। 13. हायर-संस्कृत-ग्रामर, मोरेश्वर रामचंद्र काले, (हिंदी अनुवादक) डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, श्रीरामनारायणलाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद 2001। 14. संस्कृत-व्याकरण एवं अनुवाद - कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 2007। 15. अनुवाद-चंद्रिका, डॉ. यदुनंदन मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 16. अनुवाद-चंद्रिका, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 17. अनुवाद-चंद्रिका, चंद्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999। 18. संस्कृत - रचना, वी० एस० आप्टे, (अनु०) उमेशचंद्र पांडेय, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी, 2008। 19. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011। 20. संस्कृतनिबन्धशतकम्, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 2010। 21. संस्कृतनिबन्धावली, रामजी उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन। 22. संस्कृत निबन्ध-सुधा, राधेश्याम गंगवार, नागराज प्रकाशन, पिथौरागढ़, 2005। 23. संभाषणसन्देशः - 'अक्षरम्', गिरिनगरम्, बैंगलुरु। 24. प्रवेशः, संस्कृतभारती। 25. विभक्तिमंजरी, संस्कृतभारती। 26. अभ्यासदर्शिका संस्कृतभारती। 27. व्यावहारिक संस्कृत प्रशिक्षक। 28. https://bharatavani.in/bharatavani/home/book?id=%E0%A4%B5%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%B5%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%BF%E0%A4%95%20%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%95%E0%A5%83%E0%A4%A4%20%E0%A4%AA%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%B6%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%B7%E0%A4%95%20%7C%20Vyavaharik%20Sanskrit%20Prashichhak%EF%BB%BFa
This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)..
Suggested Continuous Evaluation Methods: **प्रस्तावित सतत-मूल्यांकन-** **(क)** अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी 15 अङ्क **अथवा** किसी एक छन्द अथवा अलङ्कार के लक्षण एवं न्यूनतम 10 उदाहरणों (संगति सहित) के संकलन से संबंधित परियोजना कार्य एवं मौखिकी **अथवा** प्रदत्त अपठित श्लोकों में छन्द एवं अलङ्कार-निर्धारण विषयक प्रायोगिकी **(ख)** लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु-उत्तरीय) 10 अङ्क

Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)......................................**
Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in **1.** https://www.sanskritfromhome.org/course-listing **2.** https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB
Further Suggestions: ....

Programme/class **Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year : **Third** वर्ष - **तृतीय**	Semester: **V** सेमेस्टर - **पञ्चम**
विषय – **संस्कृत**		
प्रश्नपत्रकोड - 0510201/A020501T	प्रश्नपत्र शीर्षक - **प्रथम-प्रश्नपत्र - वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन**	**Thorey**

Course outcomes:

अधिगम उपलब्धियाँ -

1. वैदिक-वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. वैदिक एवं औपनिषदिक-संस्कृति के प्रति गौरवबोध होगा।
3. वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा।
4. उपनिषद् का सामान्य-परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।
5. औपनिषदिक कर्म-संयम भक्ति एवं त्याग-मूलक संस्कृति से परिचित होंगे।
6. वैदिक एवं औपनिषदिक-संस्कृति के प्रति गौरवबोध होगा। वैदिक-सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रिय परिदृश्य का निदर्शन होगा।
7. भारतीय दार्शनिकतत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
8. दार्शनिकतत्त्वों में अनुस्यूत गूढार्थ - बोध होगा।
9. दार्शनिकतत्त्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
10. दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
11. भारतीय-दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।
12. गीताज्ञान रहस्य द्वारा सृष्टि-कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

Credits : 5	**Core Compulsory**
Max. Marks : 25+75	**Min. Passing Marks :**
Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 5-0-0	

Unit	**Topics**	**No. of Lectures** व्याख्यान-संख्या

	प्रथम-भाग (PART - 1)	
I	**वैदिकवाङ्मय का सामान्य परिचय** (संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदाङ्ग)।	09
II	**ऋग्वेदसंहिता-** अग्निसूक्त (1.1), विष्णुसूक्त (1.154), पुरुषसूक्त (10.90), हिरण्यगर्भसूक्त (10.121), वाक्सूक्त (10.125) व्याख्या एवं देवता - परिचय।	09
III	**यजुर्वेदसंहिता-** शिवसंकल्पसूक्त। **अथर्ववेदसंहिता-** पृथ्वीसूक्त (12.1) (1 से 12 मन्त्र), सांमनस्यसूक्त (3.30) व्याख्या एवं सम्बधित प्रश्न।	09
IV	**ईशावास्योपनिषद् -** व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	09
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V	**भारतीय दर्शन का सामान्य – परिचय।** **दर्शन का अर्थ एवं महत्त्व** **आस्तिक-दर्शन -** सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा एवं वेदांत। **नास्तिक-दर्शन -** चार्वाक, जैन और बौद्ध। (परिचयात्मक प्रश्न)	12
VI	**श्रीमद्भगवतगीता-** द्वितीय - अध्याय व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	11
VII	**तर्कसङ्ग्रह** (आरंभ से प्रत्यक्षखंडपर्यन्त) सूत्रों का अनुवाद मात्र।	11
VIII	**तर्कसङ्ग्रह** (अनुमान से समाप्तिपर्यन्त) सूत्रों का अनुवाद मात्र।	11

Suggested Readings: -

संस्तुत ग्रन्थ -

1. ईशावास्योपनिषद्, डॉ शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी।
2. ईशावास्योपनिषद्, गीता प्रेस, गोरखपुर, 1994।
3. ऋग्वेदसंहिता, राम गोविंद त्रिवेदी, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी।
4. ऋक्सूक्त संग्रह, हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भंडार, मेरठ।
5. ऋक्सूक्त - सौरभ, डॉ आर. के. लौ, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ।
6. सूक्तसंकलन, प्रोफेसर विश्वंभरनाथ त्रिपाठी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी।
7. सूक्तसंकलन, डॉ उमेशचंद्र पांडे, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर।
8. वेदामृतमंजूषिका, डॉ प्रयाग नारायण मिश्र, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।
9. वैदिक-साहित्य एवं संस्कृति, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी।
10. वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ करण सिंह, साहित्य भंडार मेरठ।
11. वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो. राममूर्ति शर्मा, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी।
12. वैदिक-साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन।
13. श्रीमद्भगवद्गीता, (सम्पा०) गजानन शंभू साधले शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली, 1985।

14. श्रीमद्भगवद्गीता, हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर, 2009।
15. तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या०) चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
16. तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या०) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी।
17. भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानंद तिवारी, भारती मंदिर, भरतपुर, 1958।
18. भारतीय दर्शन, जगदीशचंद्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010।
19. भारतीय-दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004।
20. भारतीय दर्शन का इतिहास, एस. एन. दासगुप्ता (अनु) कलानाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पांच भागों में), राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, 1969-1989।
21. भारतीय-दर्शन, एस. राधाकृष्णन, (अनु०) नंदकिशोर गोभिल, राजपाल एंड संस, दिल्ली, 1989।
22. भारतीय-दर्शन की रूपरेखा, एम.हिरियन्ना, (अनु०) गोवर्धन भट्ट, मंजू गुप्त एवं सुखबीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1965।

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)..

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत-मूल्यांकन-

(क) वैदिक मंत्रों का शुद्ध एवं स्वर उच्चारण (भावार्थ-सहित) 15 अङ्क

अथवा

अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघुउत्तरीय) 15 अङ्क

Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....**

Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in

1. https://www.sanskritfromhome.org/course-listing
2. https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB

Further Suggestions: **...**

Programme/class **Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year : **Third** वर्ष - **तृतीय**	Semester: **V** सेमेस्टर - **पञ्चम**
विषय – **संस्कृत**		
प्रश्नपत्रकोड - 0510202/A020502T	प्रश्नपत्र शीर्षक - **द्वितीय-प्रश्नपत्र - व्याकरण एवं भाषा-विज्ञान**	**Thorey**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धियाँ -

1. भाषाविज्ञान के उद्भव एवं विकास का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
2. संस्कृतभाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोध होगा।
3. भाषा एवं भाषाविज्ञान की उपयोगिता एवं महत्त्व से सुपरिचित होंगे।
4. ध्वनि के प्रारंभिक एवं वर्तमान स्वरूप एवं ध्वनि परिवर्तन के कारणों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित होगी।
5. पदों की सिद्धि-प्रक्रिया के माध्यम से शब्द-निर्माण की वैज्ञानिकता से परिचित होंगे।
6. संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं लेखन का कौशल विकसित होगा।

Credits : 5	**Core Compulsory**
Max. Marks : 25+75	**Min. Passing Marks :**

Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 5-0-0

Unit	**Topics**	No. of Lectures व्याख्यान-संख्या
I.	**धातुरूपसिद्धि** (लघुसिद्धान्तकौमुदी) **भू एवं एध्** (सूत्रव्याख्या एवं रूपसिद्धि) पा, गम, कृ - रूपस्मरण।	**11**
II.	**रूपसिद्धि एवं रूपस्मरण** (लघु - सिद्धांत - कौमुदी) **पुल्लिंग -** राम (सूत्रव्याख्या एवं रूपसिद्धि) सर्व, हरि, सखि - रूपस्मरण।	**10**
III.	**स्त्रीलिंग -** रमा (सूत्रव्याख्या एवं रूपसिद्धि) सर्वा, मति, नदी - रूपस्मरण।	09
IV.	**नपुंसकलिंग -** ज्ञान, वारि (सूत्रव्याख्या एवं रूपसिद्धि) मधु, दधि-रूपस्मरण।	09
V.	**हलन्त-पुल्लिंग -** राजन् (सूत्रव्याख्या एवं रूपसिद्धि) इदम्, तद्, अस्मद्, युष्मद् - रूपस्मरण।	09
VI.	**हलन्त नपुंसकलिंग -** इदम् (सूत्रव्याख्या एवं रूपसिद्धि) **हलन्त - स्त्रीलिंग -** अपस्, इदम्, किम् - रूपस्मरण।	09
VII.	**भाषाविज्ञान का स्वरूप,** भाषाविज्ञान के मुख्य अङ्ग एवं उपादेयता, भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा की विशेषताएं, भावाभिव्यक्ति के साधन एवं भाषा के अनेकरूप (बोली, भाषा, विभाषा)।	09
VIII.	**भाषा का उद्भव एवं विकास, भाषापरिवर्तन की दिशाएं एवं कारण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण।**	09

Suggested Readings:- **संस्तुत ग्रन्थ-** 1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन 3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन 4. लघु- सिद्धांत- कौमुदी, डॉ रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा 5. कृदन्त सूत्रावली, बृजेश कुमार शुक्ल, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ 6. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वादश संस्करण 2010 7. भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद
This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)..
Suggested Continuous Evaluation Methods: **प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-** **(क)** अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी 15 अङ्क अथवा संस्कृत-संभाषण **(ख)** लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु-उत्तरीय) 10 अङ्क
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....
Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in 1. https://www.sanskritfromhome.org/course-listing 2. https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB
Further Suggestions: ....

<table>
<tr><td>Programme/class Bachelor
कार्यक्रम/वर्ग- स्नातक डिग्री</td><td colspan="2">Year : Third
वर्ष - तृतीय</td><td>Semester: V
सेमेस्टर - षष्ठम</td></tr>
<tr><td colspan="4">विषय – संस्कृत</td></tr>
<tr><td>प्रश्नपत्रकोड -
0610201/ A020601T</td><td colspan="2">प्रश्नपत्र शीर्षक - प्रथम-प्रश्नपत्र - आधुनिक संस्कृत-साहित्य</td><td>Thorey</td></tr>
<tr><td colspan="4">Course outcomes:
अधिगम उपलब्धियाँ –
1. आधुनिक संस्कृत-कवियों से सुपरिचित होंगे।
2. नवीन-बिम्बविधानों एवं नवीन विषयों का ज्ञान प्राप्त होगा।</td></tr>
</table>

3. आधुनिक संस्कृत-साहित्य के बाल-साहित्य से परिचित होते हुए संस्कृत-शिक्षण की सरलतम विधि के प्रति उन्मुख होंगे।
4. आधुनिक संस्कृत साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
5. आधुनिक संस्कृत-साहित्य में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

Credits : 5		**Core Compulsory**
Max. Marks : 25+75		**Min. Passing Marks :**
Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 5-0-0		
Unit	**Topics**	No. **of Lectures** व्याख्यान-संख्या
I.	**आधुनिक संस्कृत-साहित्य के प्रमुख कवि एवं उनकी कृतियों का सामान्य-परिचय -** प्रभुदत्त स्वामी, वासुदेव द्विवेदी शास्त्री, श्रीनिवास रथ, प्रो. रेवाप्रसाद द्विवेदी, अभिराज राजेन्द्र मिश्र, रमाकांत शुक्ल, डॉ. गणेशदत्त शर्मा।	**11**
II.	**आधुनिक-महाकाव्यम्** विवेकानन्द-चरितामृतम् (अष्टमः सर्गः) डॉ. गणेशदत्त शर्मा।	**10**
III.	**आधुनिक काव्यम्** पूर्व-भारतम् (अष्टादशः सर्गः) - आचार्य प्रभुदत्त स्वामी।	**09**
IV.	**आधुनिक-नाटकम्** क्षत्रपतिः-साम्राज्यम् (प्रथम - अङ्क) – श्री मूलशंकर माणिकलाल 'याज्ञिक'।	**09**
V.	**संस्कृत-उपन्यासः** पद्मिनी (प्रथम एवं द्वितीय विराम) - मोहनलाल शर्मा पांडे।	**09**
VI.	**संस्कृत-गीतिकाव्यम्** भाति मे भारतम् (1-50 पद्य) – डॉ० रमाकान्त शुक्ल।	**09**
VII.	**संस्कृत-कथा** इक्षुगन्धा-कथासंग्रह से इक्षुगन्धा- कथा - अभिराज राजेन्द्र मिश्र।	**09**
VIII.	**संस्कृत-सुभाषितम्** दीपमालिका, पं. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री।	**09**

टिप्पणी- सभी ग्रन्थों से व्याख्यात्मक एवं समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

संस्तुत ग्रन्थ -

1. ईक्षुगन्धा, प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, विजयन्त प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. विवेकानन्द-चरितामृतम् - डॉ. गणेशदत्त शर्मा, उर्मिला प्रकाशन, साहिबाबाद।
3. भाति मे भारतम्, डॉ. रमाकान्त शुक्ल, देववाणी प्रकाशन, वाणी विहार, नई दिल्ली - 6।
4. क्षत्रपति साम्राज्यम् - श्रीमूलशंकर माणिकलाल याज्ञिक, व्याख्याकार - डा. नरेश झा, चौखम्भा सुरभारती

प्रकाशन, वाराणसी। **5.** पूर्व-भारतम्, आचार्य प्रभुदत्त स्वामी, साहित्य भण्डार, मेरठ। **6.** दीपमालिका, वासुदेव द्विवेदी शास्त्री, सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थान, वाराणसी। **7.** पद्मिनी, मोहनलाल शर्मा पांडे, पांडे प्रकाशन, जयपुर। **8.** संस्कृत वाङ्मय का बृहद् - इतिहास, सप्तमखंड - आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, श्री बलदेव। **9.** उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ, प्रथम संस्करण-2000। **10.** आधुनिक संस्कृत-साहित्य संदर्भ सूची, (संपादक) राधावल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली। **11.** आधुनिक संस्कृत-काव्य की परिक्रमा, मंजूलता शर्मा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली। **12.** http://www.sanskrit.nic.in/ASSP/index.html
This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)..
Suggested Continuous Evaluation Methods: **प्रस्तावित सतत-मूल्यांकन-** **(क)** आधुनिक संस्कृत - पुस्तक समीक्षा एवं मौखिकी 15 अङ्क **अथवा** आधुनिक संस्कृत-साहित्य का सर्वेक्षण एवं मौखिकी **(ख)** लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु-उत्तरीय) 10 अङ्क
Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....**
Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in • https://www.sanskritfromhome.org/course-listing • https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB
Further Suggestions: **...**

Programme/class **Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग- **स्नातक डिग्री**		Year : **Third** वर्ष - **तृतीय**	Semester: **VI** सेमेस्टर – **षष्ठ**
विषय – **संस्कृत**			
प्रश्नपत्रकोड - 0610202/A020602T	प्रश्नपत्र शीर्षक - **द्वितीय-प्रश्नपत्र क (वैकल्पिक) -** **योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा**		**Theory**
Course outcomes: अधिगम उपलब्धियाँ – **1.** भारतीय-योगशास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक - ज्ञान से लाभान्वित होंगे।			

2. योगशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे।
3. योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे।
4. योग के षट्कर्म, आसन, प्राणायाम एवं बन्धों के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक दोनों पक्षों को समानरूप से सीख सकेंगे।
5. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुप्रयोग द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे।

Credits : 5	**Core Compulsory**
Max. Marks : 25+75	**Min. Passing Marks :**

Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 5-0-0

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान-संख्या
I.	**योग का अर्थ, परिभाषा एवं उपयोगिता।** **महर्षि पतञ्जलि व गुरु गोरखनाथ का परिचय।** **योग के प्रकार** - ज्ञानयोग, भक्तियोग, कर्मयोग व राजयोग का सामान्य परिचय। **प्राकृतिक-चिकित्सा क्या है ? और इसके सिद्धांत व उपयोगिता।**	10
II.	**योगसूत्र -** **समाधिपाद -** चित्तवृत्ति के भेद, समाधि के भेद (सामान्य परिचय)। **साधनपाद** - क्रियायोग और योगाङ्ग (सामान्य परिचय)।	9
III.	**योगसूत्र -** **कैवल्यपाद -** सिद्धिभेद और कर्मप्रकार (सामान्य परिचय)। **विभूतिपाद -** धारणा, ध्यान, समाधि (सामान्य परिचय)।	9
IV.	**हठप्रदीपिका -** प्रथम उपदेश (सूत्र 1-16 एवम् 57-67)	10
V.	**हठप्रदीपिका -** प्रथम उपदेश (सूत्र 17-54)।	09
VI.	**हठप्रदीपिका -** द्वितीय - उपदेश (सूत्र 21-36)। **हठप्रदीपिका -** तृतीय- उपदेश (सूत्र 54-81)।	10
VII.	**हठप्रदीपिका -** द्वितीय उपदेश (सूत्र 1-20 एवम् 37-68)।	09
VIII.	**प्राकृतिक चिकित्सा की विधियां व लाभ -** मृत्तिका-स्नान, मृत्तिका-पट्टी, वाष्प-स्नान, कटिस्नान, एनिमा, सूर्यकिरण चिकित्सा, अभ्यङ्ग, उपवास।	09

Suggested Readings:-

संस्तुत ग्रन्थ-

1. पातञ्जलयोगदर्शनम्, पतञ्जलि-कृत योगसूत्र, व्यास - भाष्य, वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्ववैशारदी एवं विज्ञानभिक्षु कृत योगवार्त्तिक सहित, (संपादक) नारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 1981
2. योगदर्शन, हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर

3. पातञ्जलयोगदर्शनम्, सुरेशचंद श्रीवास्तव, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. हठप्रदीपिका, कैवल्य धाम, लोनावला, पुणे
5. प्राकृतिक आयुर्विज्ञान, राकेश जिन्दल, आरोग्य सेवा प्रकाशन, उमेश पार्क, मोदीनगर
6. यज्ञ-चिकित्सा, ब्रह्मवर्चस, शांतिकुंज, हरिद्वार
7. योग तथा मानसिक स्वास्थ्य, पी.डी. मिश्र, रॉयल बुक कंपनी, लखनऊ
8. योग एवं स्वास्थ्य, पी. डी. मिश्र, रैपिडेक्स बुक्स, पुस्तक महल
9. सूर्यकिरण चिकित्सा-विज्ञान, अमर जीत, खंडेलवाल प्रकाशन, जयपुर
10. नेचर क्योर फिलासफी एंड मेथड्स, पी.डी. मिश्र, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन -

(क) योगासनों का प्रदर्शन — 15 अङ्क

अथवा

अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु-उत्तरीय) — 10 अङ्क

Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)** ....

Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in

- https://www.sanskritfromhome.org/course-listing
- https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB

Further Suggestions: ....

Programme/class **Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year : **Third** वर्ष - **तृतीय**	Semester: **VI** सेमेस्टर – **षष्ठ**
विषय – **संस्कृत**		
प्रश्नपत्रकोड - 0610203/A020603T	प्रश्नपत्र शीर्षक - **द्वितीय-प्रश्नपत्र ख (वैकल्पिक) -** **आयुर्वेद एवं स्वास्थ्यविज्ञान**	**Theory**

Course outcomes:

अधिगम उपलब्धियाँ –

1. भारतीय प्राच्यज्ञान की अद्भुत देन आयुर्वेद का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।

2. मानव-स्वास्थ्य एवं रोग निवारण हेतु आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांतों से सुपरिचित होंगे।
3. वर्तमान-समय में आयुर्वेद की आवश्यकता एवं महत्त्व से अवगत होते हुए मानव-कल्याणार्थ अनुप्रयोग हेतु प्रेरित होंगे।
4. अष्टाङ्ग-आयुर्वेद के ज्ञान द्वारा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु अग्रसर होंगे।

Credits : 5	**Core Compulsory**
Max. Marks : 25+75	**Min. Passing Marks :**

Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 5-0-0

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान-संख्या
I.	**आयुर्वेद का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास** **प्रमुख-आचार्य -** चरक, सुश्रुत, वाग्भट, माधव, शार्ङ्गधर, भावमिश्र।	10
II.	**आयुर्वेद का अर्थ एवं परिभाषा, मूलभूत सिद्धांत, वर्तमान काल में उपयोगिता एवं महत्त्व, अष्टाङ्ग-आयुर्वेद।**	11
III.	**चरक संहिता -** सूत्रस्थान प्रथम- अध्याय (श्लोक 41 से 92)।	09
IV.	**चरक संहिता -** सूत्रस्थान प्रथम-अध्याय (श्लोक 93 से समाप्ति- पर्यंत)।	09
V.	**चरक संहिता -** सूत्रस्थान नवम अध्याय।	09
VI.	**चरक संहिता -** सूत्रस्थान दशम अध्याय।	09
VII.	**अष्टाङ्गहृदयम्** वाग्भट सूत्रस्थानम्- प्रथम अध्याय 01-19।	09
VIII.	**अष्टाङ्गहृदयम्** वाग्भट सूत्रस्थानम् - प्रथम अध्याय 20-44।	09

संस्तुत ग्रन्थ -

1. चरक-संहिता, (सम्पा०) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005
2. अष्टाङ्गहृदयम्,वाग्भट, (सम्पा०) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली, पुनर्मुद्रित 2014
3. आयुर्वेद का बृहद्-इतिहास, अत्रिदेव विद्यालङ्कार, हिन्दीसमिति, उत्तरप्रदेश शासन लखनऊ, द्वितीय संस्करण 1976
4. संस्कृत-वाङ्मय का बृहद्-इतिहास, बलदेव उपाध्याय, उत्तरप्रदेश-संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
5. आयुर्वेद का इतिहास (सप्तदश-खण्ड), उत्तरप्रदेश-संस्कृत संस्थान, लखनऊ 2006
6. आयुर्वेद का वैज्ञानिक - इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
7. आयुर्वेद-इतिहास एवं परिचय, विद्याधर शुक्ल एवं रविदत्त त्रिपाठी, चौखंबा, वाराणसी
8. संस्कृतसाहित्य में आयुर्वेद, अत्रिदेव विद्यालङ्कार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी प्रथम - संस्करण, 1956

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन -

(क) अधिन्यास (असाइनमेंट)/पत्र प्रस्तुतीकरण एवं मौखिकी अथवा प्रदत्त समस्या का निदान आदि (प्रायोगिक) (ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु-उत्तरीय)	15 अङ्क 15 अङ्क
Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)**	
Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in 1. https://www.sanskritfromhome.org/course-listing 2. https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB	
Further Suggestions:	

अथवा

Programme/class **Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year : **Third** वर्ष - **तृतीय**	Semester: **VI** सेमेस्टर – **षष्ठ**
विषय – **संस्कृत**		
प्रश्नपत्रकोड - 0610204/A020604T	प्रश्नपत्र शीर्षक - **द्वितीय-प्रश्नपत्र ग (वैकल्पिक) - भारतीय वास्तुशास्त्र**	**Theory**
Course outcomes: अधिगम उपलब्धियाँ- **1.** भारतीय वास्तुशास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे। **2.** भारतीय प्राचीन-ज्ञान- धरोहर को जानने समझने की जिज्ञासा उत्पन्न होगी। **3.** वास्तुशास्त्र के महत्त्व एवं वर्तमान उपयोगिता से परिचित होंगे। **4.** वास्तुशास्त्र के मूलभूत-सिद्धांतों के ज्ञान द्वारा उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।		

Credits : 5	**Core Compulsory**
Max. Marks : 25+75	**Min. Passing Marks :**
Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 5-0-0	

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान-संख्या
I.	**वास्तुशास्त्र का सामान्य परिचय महत्त्व एवं वर्तमान प्रासंगिकता।**	**10**
II.	**वास्तुसौख्यम् प्रथम-भाग** (टोडरमल्ल विरचित) - वास्तुप्रयोजन, वास्तुस्वरूप (श्लोक 4 से 13)। **वास्तुसौख्यम् - द्वितीय-भाग**	**10**

	भूमिपरीक्षण, दिक्साधन, निवास हेतु स्थाननिर्वाचन (श्लोक 14 से 22)। **वास्तुसौख्यम्- तृतीय-भाग** गृहपर्यावरण, वृक्षारोपण, शल्यशोधन (श्लोक 31-49, 74-82)।	
III.	**वास्तुसौख्यम्- चतुर्थ-भाग** षड्वर्ग-परिशोधन, वास्तुचक्र, ग्रहवास्तु, शिलान्यास (श्लोक 83-102, 107-112)। **वास्तुसौख्यम्- षष्ठ-भाग** पञ्चविधगृह, शालालिन्दप्रमाण, वीथिका - प्रमाण (श्लोक 171-194, 195-196)। **वास्तुसौख्यम्- सप्तम-भाग** द्वार-प्रमाण, स्तम्भ-प्रमाण, पञ्च चतुःशालागृह - सर्वतोभद्र, नन्द्यावर्त, वर्धमान, स्वस्तिक, रुचक (श्लोक 203-217)।	**10**
IV.	**वास्तुसौख्यम्- अष्टम-भाग** एकाशीतिपदवास्तुचक्र, मर्मस्थान (श्लोक 287-302, 305-307)। **वास्तुसौख्यम्-नवम-भाग** वासदिशानिरुपण, द्वारफल, द्वारवेधफल (श्लोक 322-335,359-369)।	**09**
V.	**मुहूर्तचिन्तामणि,** वास्तुप्रकरण, (श्लोक 01 से 14)।	**09**
VI.	**मुहूर्तचिन्तामणि,** वास्तुप्रकरण (श्लोक 15 से 29)।	**09**
VII.	**मुहूर्तचिन्तामणि,** गृहप्रवेशप्रकरण।	**09**
VIII.	**भारतीय वास्तुशास्त्र तथा आधुनिक वास्तुविज्ञान की तुलनात्मक समीक्षा।**	**09**

संस्तुत ग्रन्थ -

1. वास्तुसौख्यम्, टोडरमल्ल, (सम्पा.) कमलाकांत शुक्ल, शिक्षण शोध प्रकाशन संस्थान, वाराणसी,
   मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम, पीयूषधारा टीका - सहित, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
2. मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम, श्रीदुर्गा पुस्तक भण्डार, प्रयागराज
3. भारतीय वास्तुशास्त्र, शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लालबहादुरशास्त्री, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
   वास्तुप्रबोधिनी, विनोद शास्त्री और सीताराम शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 1996
4. बृहद्-वास्तुमाला, राममनोहर द्विवेदी और ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2012
5. वास्तुसार, देवीप्रसाद त्रिपाठी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2015

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत-मूल्यांकन –

(क) पिण्डशोधन, भवन-निर्माण की आंतरिक संरचना (प्रायोगिक) 15 अङ्क

अथवा

अधिन्यास (असाइनमेंट)/पत्र-प्रस्तुतीकरण एवं मौखिकी **(ख)** लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु-उत्तरीय) 10 अङ्क
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....
Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in **1.** https://www.sanskritfromhome.org/course-listing **2.** https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB
Further Suggestions: ....

अथवा

Programme/class **Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year : **Third** वर्ष - **तृतीय**	Semester: **VI** सेमेस्टर – **षष्ठ**
विषय – **संस्कृत**		
प्रश्नपत्रकोड - 0610205/A020605T	प्रश्नपत्र शीर्षक - **द्वितीय-प्रश्नपत्र घ (वैकल्पिक) - ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धांत**	**Theory**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धियाँ- **1.** भारतीय प्राच्य-ज्ञान के प्रति अभिरुचि उत्पन्न होगी। **2.** भारतीय ज्योतिष-शास्त्र का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। **3.** ज्योतिष के विभिन्न-सिद्धांतों के ज्ञान के माध्यम से विश्लेषण क्षमता जागृत होगी। **4.** पंचाङ्ग-अवलोकन एवं निर्माण - कौशल का विकास होगा।

Credits : 5	**Core Compulsory**
Max. Marks : 25+75	**Min. Passing Marks :**
Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 5-0-0	

Unit इकाई	**Topics**	**No. of Lectures** व्याख्यान-संख्या
I.	**ज्योतिषशास्त्र का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास त्रिस्कन्ध-ज्योतिष-सिद्धांत, संहिता, होरा।**	**09**
II.	**ज्योतिषचन्द्रिका** - संज्ञाप्रकरण (श्लोक 1 से 40)।	**10**
III.	**ज्योतिषचन्द्रिका** - संज्ञाप्रकरण (श्लोक 41 से 80)।	**10**
IV.	**ज्योतिषचन्द्रिका** संज्ञाप्रकरण (श्लोक 81 से 115)।	**10**

V.	**शीघ्रबोध** -प्रथम-प्रकरण।	**09**
VI.	**शीघ्रबोध** -द्वितीय-प्रकरण।	**09**
VII.	**शीघ्रबोध** -तृतीय-प्रकरण।	**09**
VIII.	**शीघ्रबोध** -चतुर्थ-प्रकरण।	**09**

Suggested Readings:-

संस्तुत ग्रन्थ-

1. ज्योतिषचन्द्रिका, रेवतीरमण शर्मा, (संपा) कान्ता भाटिया, भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली।
2. शीघ्रबोध, काशीनाथ, सम्पा. खूबचन्दशर्मा गौड़, नवलकिशोर बुक डिपो, लखनऊ।
3. शीघ्रबोध, काशीनाथ, सम्पा. प्रो. बृजेशकुमार शुक्ल, रायल बुक डिपो, लखनऊ।
4. ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भसमालोचनिका, प्रो. बृजेशकुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली।
5. बृहत् संहिता, अच्युतानंद झा (अनु०), चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी।
6. बृहत् संहिता, राधाकृष्णन भट्ट (अनु०), मोतीलाल बनारसीदास वॉल्यूम 1 और 2, दिल्ली।
7. भारतीय-ज्योतिष, शंकर बालकृष्ण दीक्षित शिवनाथ झारखंडी (अनु०) हिन्दी समिति, उत्तरप्रदेश।
8. भारतीय - ज्योतिष, नेमीचंद शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
9. ब्रह्मांड एवं सौर-परिवार, त्रिपाठी देवी प्रसाद, दिल्ली।
10. भुवनकोश, त्रिपाठी देवी प्रसाद, दिल्ली।

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....

प्रस्तावित सतत-मूल्यांकन -

(क) अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी — 15 अङ्क

अथवा

पञ्चाङ्गावलोकन परीक्षा

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु-उत्तरीय) — 10 अङ्क

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....

Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in

1. https://www.sanskritfromhome.org/course-listing
2. https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB

Further Suggestions: ....

अथवा

Programme/class **Bachelor**	Year : **Third**	Semester: **VI**

कार्यक्रम/वर्ग- **स्नातक डिग्री**	वर्ष - **तृतीय**	सेमेस्टर – **षष्ठ**
विषय – **संस्कृत**		
प्रश्नपत्रकोड - 0610206/A020606T	प्रश्नपत्र शीर्षक - **द्वितीय-प्रश्नपत्र ङ (वैकल्पिक) - नित्य नैमित्तिक-अनुष्ठान**	**Theory**

Course outcomes:

अधिगम उपलब्धियाँ -

1. विद्यार्थी भारतीय-पारंपरिक कर्मकांड एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे।
2. नित्य नैमित्तिक-अनुष्ठानविधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।
3. भारतीय-कर्मकांड के प्रामाणिक शास्त्रीयरूप से परिचित होकर उसकी व्यावहारिक उपयोगिता जानने योग्य बनेंगे।
4. सामान्य-अनुष्ठान संपन्न कराने योग्य - कुशल और पौरोहित्य-कर्म-विशारद बनेंगे
5. आत्मनिर्भर-भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।

Credits : 5	**Core Compulsory**
Max. Marks : 25+75	**Min. Passing Marks :**

Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 5-0-0

Unit	**Topics**	No. of Lectures व्याख्यान-संख्या
I.	**नित्यविधि** (प्रातरुत्थान, स्नान, संध्या, तर्पण तथा पञ्चयज्ञ)।	**10**
II.	**स्वस्तिवाचन, संकल्प, गौरी-गणेश पूजन तथा वरुणकलश स्थापन।**	**10**
III.	**षोडशोपचार पूजन, कुशकंडिका-विधि, मण्डपकुण्ड-निर्माण तथा होमविधि**	**10**
IV.	**रुद्राभिषेक, महामृत्युञ्जय-जप तथा नवचंडी-विधान।**	**09**
V.	**नवग्रह-शांति, मूलगण्डान्तशान्ति, दुःस्वप्नशान्ति तथा वैधव्योपशान्ति।**	**09**
VI.	**प्राग्जन्म तथा जातकर्म संस्कार, अन्नप्राशन तथा चौल-कर्म।**	**09**
VII.	**यज्ञोपवीत तथा विवाह-संस्कार।**	**09**
VIII.	**गृहारम्भ तथा गृहप्रवेश।**	**09**

Suggested Readings:-

संस्तुत ग्रन्थ-

1. पारस्करगृहयसूत्र, संपा. सुधाकर मालवीय, चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. कर्म-कौमुदी, डॉ बृजेश कुमार शुक्ल, नाग प्रकाशक, दिल्ली 2001
3. कर्मठगुरु, मुकुंद बल्लभ मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 2001
4. आपस्तम्बीयकर्म मीमांसा, प्रयाग नारायण मिश्र, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दु-संस्कार, राजबली पांडे चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी 1995
6. धर्मशास्त्र का इतिहास, प्रथम-भाग, अर्जुन चौबे, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
7. संस्कार - प्रकाश, भवानीशङ्कर त्रिवेदी, लालबहादुरशास्त्री केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली

8. पौरोहित्यकर्म-प्रशिक्षक, उत्तरप्रदेश - संस्कृत- संस्थान, लखनऊ **9.** नित्यकर्म-पूजा-प्रकाश, गीता प्रेस, गोरखपुर **10.** धर्म-शास्त्र का इतिहास, पांडुरङ्ग वामन काणे, (अनु०) अर्जुन चौबे कश्यप, प्रथम-भाग, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1973
This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....
Suggested Continuous Evaluation Methods: **प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-** **(क)** अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी (मंत्रोच्चारण-परीक्षा) **15 अङ्क** **(ख)** लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु-उत्तरीय) **10 अङ्क**
Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....**
Suggested equivalent online courses: **1.** E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in **2.** https://www.sanskritfromhome.org/course-listing **3.** https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB
Further Suggestions: **...**

<table>
<tr><td colspan="2">Programme/Class: UG
Minor Elective for other faculties</td><td colspan="2">Year: Third
वर्षं- तृतीयम्</td><td>Semester:</td></tr>
<tr><td colspan="5">Subject: संस्कृतम्</td></tr>
<tr><td>Course Code: __10250</td><td colspan="3">Course Title: संस्कृतवैभवम्</td><td>Theory</td></tr>
<tr><td colspan="5">Course outcomes:
अधिगम उपलब्धय:
1. विद्यार्थी समस्त भारतीयों को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में आबद्ध करने वाली सुसमृद्ध संस्कृत-भाषा-वैभव से परिचित होंगे।
2. विश्वविश्रुता श्रीमद्भगवद्गीता के अध्ययन से लाभान्वित होंगे।
3. संस्कृत साहित्य की सरसता तथा सौन्दर्य से परिचय प्राप्त होगा।
4. सहस्राब्दियों से अद्यावधि निरन्तर संस्कृत साहित्य-सृजन से परिचय होगा।
5. वाग्व्यवहार में संस्कृत भाषा कितनी रोचक है यह ज्ञात होगा।
6. संस्कृत कवियों और उनकी रचनाओं के विषय में अध्ययन ज्ञानवर्धक होगा।</td></tr>
<tr><td colspan="3">Credits: 4</td><td colspan="2">Core Compulsory</td></tr>
<tr><td colspan="3">Max. Marks: 25+75</td><td colspan="2">Min. Passing Marks:</td></tr>
<tr><td colspan="5">Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.</td></tr>
<tr><td>Unit</td><td colspan="3">Topics</td><td>No. of Lectures
व्याख्यान संख्या</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="3">श्रीमद्भगवद्गीता द्वितीय अध्याय श्लोक 54-72 (अर्थ मात्र)</td><td>12</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="3">प्रतिमानाटकम् - महाकवि भास (चतुर्थ अंक) (अनुवाद तथा प्रश्नोत्तर)</td><td>14</td></tr>
<tr><td>III</td><td colspan="3">वाग्वधूटी - अभिराज डॉ राजेन्द्र मिश्र (अर्थ मात्र)
माङ्गल्यमेव भूयात् !!
मधुरं विचिन्तयामो मधुरं हि मानसे स्यात्
मधुरे तु जीवनेऽस्मिन् माधुर्यमेव भूयात्!!
कलहादिकेन किं स्यात्
विरहादिकेन किं स्यात्
सङ्गममये हि लोके सायुज्यमेव भूयात्
मधुरे तु जीवनेऽस्मिन् माधुर्यमेव भूयात्!!
मन एव बन्धहेतुः
मन एव मोक्षहेतुः
अतएव मानसेऽस्मिन् मासृण्यमेव भूयात्
केचिद् वदन्ति नीतिम्
केचिद् दिशन्ति भीतिम्
प्रतिपलमहो समेषामायुष्यमेव भूयात्
स्वजनेषु काऽपि रागी</td><td>10</td></tr>
</table>

		विजनेषु काऽपि रागी निखिले भवे परं हि तस्यैव दर्शनं स्यात् भूयात् स्वराष्ट्रनीतिः भूयात् स्वदेशगीतिः प्रतिदिनमहोऽस्मदीयं माङ्गल्यमेव भूयात् मधुरे तु जीवनेऽस्मिन् माधुर्यमेव भूयात्!! वन्दे सदा स्वदेशम्!! गङ्गा पुनाति भालं रेवा कटिप्रदेशम् वन्दे सदा स्वदेशम् एतादृशं स्वदेशम्!! काशीप्रयागमथुरावृन्दाटवीविशालाः द्वारावतीसुकाञ्चीविदिशादितीर्थमालाः सम्भूषयन्ति कामं यस्य प्रशान्तवेषम् वन्दे सदा स्वदेशम् एतादृशं स्वदेशम्!! सलिलं सुधामधुरितं पवनोऽपि गन्धवाही चरितं विकल्पकलितं धर्मो दयावगाही यत्प्राङ्गणं शबलितं कौतुहलैरशेषम् वन्दे सदा स्वदेशम् एतादृशं स्वदेशम्!! गायन्ति यस्य देवाश्शुभगीतकानि नित्यम् सर्वे भवन्तु सुखिनो यस्यैतदेव कृत्यम् अभयप्रदोपदेशाः शमयन्ति पापलेशम् वन्दे सदा स्वदेशम् एतादृशं स्वदेशम्!! अचलो नु देवताऽऽत्मा वसुधाऽपि रत्नगर्भा कुलिशायते यदस्थि प्रचुरं वनी सुदर्भा केचिन्नमन्ति गिरिजं केचिच्च शालुवेशम् वन्दे सदा स्वदेशम् एतादृशं स्वदेशम्!! अद्यापि यस्य नीतिर्विस्मापयत्यनल्पम् उद्घोष्य विश्वशान्तिं भावञ्च मित्रकल्पम् वन्दे ध्वजं त्रिवर्णं वन्देऽगृहीतकेशम् वन्दे सदा स्वदेशम् एतादृशं स्वदेशम्!!	

	गौरवं तदेव!! गौरवं तदेव येन दुर्गुणोऽपि जीयते मानवेन मानवाय बन्धुताऽनुभूयते!! यश्चरत्यनारतं स एव विन्दते फलम् यश्च वीतपौरुषो न तस्य जीवनम् कलम् योऽनुयाति साहसं स एव साधु गीयते यश्च कुब्जकैतवं स निन्दया विलीयते!! सर्वमेव राजते भुवि प्रभूतमात्रकम् दृश्यते सुधा क्वचित्क्वचिच्च लूनयात्रकम् लोकमङ्गलं विहाय शातनं विधीयते आत्मशौर्यसम्पदैव शासनं प्रभूयते!! मानसी यथेरणा तथैव भाति वैखरी तिन्तिडीफले क्व सा रसालमञ्जुमाधुरी काव्यकौशलं निपीय पानकं प्रणीयते सोऽपि कौशलप्रभुः प्रमादिना न चीयते!! सर्वमेक सार्थकं यदप्युपैति भूतलम् यच्च सार्थकं तदेव भङ्गुरं विचञ्चलम् ज्ञानिना तथाऽप्यलं सदेव सम्यगीयते राजहंसगौरवेण दुग्धमेव पीयते!! यन्न लोकसंस्तवो बभूव हन्त तेन किम् जीवनं मृषा कलङ्कितं बभूव तेन किम् श्रीवरस्य शासने न पुण्यमेव मीयते पीतलोकवाग्विषोऽपि शम्भुनोपमीयते!! त्याजितोऽल्पशैशवे कथं पितेव शाल्मलिः केन बन्धुना निवारितः पदे-पदे कलिः केन शुद्रकेण रे सभाजनं प्रदीयते कन्यया कया शुकोऽयमात्मनोपनीयते!! शृणु रे हृदय! कोऽपि मन्त्रयते!! अनृतं भवति सदा गतिहीनं सत्यमेव जयते!! नक्षत्राणि वियति दृश्यन्ते भानुरुचिं न तथापि लभन्ते स्थानबलेन किमपि नहि सिद्ध्यति नियतिनटी तनुते शृणु रे हृदय ! कोऽपि मन्त्रयते!! अर्को भवति रविर्घनसारः भवति स एव विटपिमन्दारः	

	नामबलेन किमपि नहि सिद्ध्यति पौरुष एव गते श्रृणु रे हृदय ! कोऽपि मन्त्रयते!! सजलजलधरो वर्षति सलिलम् तमनुकरोति दृगम्बुजयुगलम् अश्रु तदपि सागरतटिनीनां गुरुतां नो सहते श्रृणु रे हृदय! कोऽपि मन्त्रयते!! हृद् विद्राव्य संस्फुटति गीतम् देवानाम्प्रियकैर्न गृहीतम् कोटिजनानाममृतमिदं यद्विषमेकस्य कृते श्रृणु रे हृदय ! कोऽपि मन्त्रयते!! प्रतिदिनमेव निमज्जति सविता भिन्नेऽहनि भुविकोऽपि न भविता स्मृतिपथमेति न किमपि जनानामुपकारेभ्य ऋते श्रृणु रे हृदय ! कोऽपि मंत्रयते!!	
IV	**संस्कृत वाग्व्यवहार -** व्यावहारिक संस्कृत प्रशिक्षक (प्रथम भाग 'संभाषणम्')।	14
V	**संस्कृत कवियों का सामान्य परिचय -** भास, कालिदास, शूद्रक, भवभूति, भारवि, दण्डी, बाणभट्ट, अम्बिकादत्त व्यास।	10

Teaching Learning Process: lecture, Class discussions/ Powerpoint presentations, Class activities/ assignments, etc...

Suggested Readings:

संस्तुत ग्रन्था:

1. श्रीमद्भगवद्गीता, गीताप्रेस गोरखपुर
2. गीता- प्रबोधनी, स्वामी रामसुखदास, गीताप्रेस गोरखपुर
3. श्रीमद्भगवद्गीता, द्वितीय अध्याय, साहित्य भण्डार,मेरठ
4. website : **Gita Supersite** https://www.gitasupersite.iitk.ac.in/
5. प्रतिमानाटकम्, आचार्य जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
6. व्यावहारिक संस्कृत प्रशिक्षक
7. **httpshttps://bharatavani.in/bharatavani/home/book?id=%E0%A4%B5%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%B5%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%BF%E0%A4%95%20%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%95%E0%A5%83%E0%A4%A4%20%E0%A4%AA%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%B6%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%B7%E0%A4%95%20%7C%20Vyavaharik%20Sanskrit%20Prashichhak%EF%BB%BFa**
8. संस्कृत सुकवि समीक्षा, आचार्य बलदेव उपाध्याय,
9. प्रतिमानाटकम्, डॉ कपिलदेव द्विवेदी

10. **प्रतिमानाटकम्, डॉ राकेश शास्त्री, चौखम्बा ओरियंटालिया** 11. **https://epustakalay.com/book/149591-pratimanatakam-by-sri-ramchandra-mishra/** 12. **प्रतिमानाटकम्-** Available on e- pustakalay https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.406458?view=theater and on 13. https://archive.org/details/PratimaNatakam
This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: **for students of other subjects only - संस्कृतेतर विद्यार्थियों के लिए**
Suggested Continuous Evaluation Methods: **प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-** **(क)** पाठ्यक्रम के विषयों पर आधारित अधिन्यास (assignment) 15 अंक **(ख)** लिखित-परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक
Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध** ....
Suggested equivalent online courses: E-learning in Sanskritam https://www.sanskritfromhome.org/course-listing https://www.sanskritfromhome.org/course-listing
Further Suggestions: ....

Programme/Class: UG **व्यावसायिक पाठ्यक्रम (Vocational Course)**	Year:	Semester:
Subject: **संस्कृतम्**		
Course Code:	Course Title: **योग, आयुर्वेद, वर्णोच्चारण-शिक्षा एवं सूक्तियाँ (सामान्य परिचयात्मक)**	**Theory**

Course outcomes:

अधिगम उपलब्धय:

1. भारतीय प्राच्यज्ञान की अद्भुत देन योग एवं आयुर्वेद से लाभान्वित होंगे।
2. योग का तथ्यरक एवं प्रायोगिक ज्ञान दैनिक जीवन में उपयोगी सिद्ध होगा।
3. रोगनिवारण एवं स्वास्थ्यसंरक्षण द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण होगा।
4. वर्णोच्चारण का शिक्षण भाषा की उच्चारणसम्बन्धी शुद्धता का संवाहक होगा।
5. संस्कृत - सूक्तियों का पठन-पाठन जीवन में नैतिक तथा चारित्रिक मूल्यों का आधान करेगा.।

Credits: 4	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	**Topics**	**No. of Lectures व्याख्यान संख्या**
I	योग का सामान्य परिचय, अर्थ, परिभाषा एवं इतिहास, योग के प्रकार, योग की उपयोगिता। मिताहार एवं पथ्य-अपथ्य, योगाभ्यास हेतु समय, वातावरण। योग के साधक-बाधक तत्त्व, योग-सिद्धि के लक्षण। हठप्रदीपिका के अनुसार षट्कर्मों एवं आसनों का परिचय, लाभ एवं सावधानियाँ।	**10**
II	स्वर-परिचय, इडा, पिङ्गला एवं सुषुम्ना । स्वर - आधारित करणीय-अकरणीय कर्म। प्राणायाम की परिभाषा, हठप्रदीपिका के अनुसार प्राणायामों की विधि, लाभ एवं सावधानियाँ। पातञ्जलयोग सूत्र का परिचय, अष्टांग योग के अंतर्गत यम-नियम का स्वरूप। अष्टांग योग के अंतर्गत आसन-प्राणायाम की अवधारणा, प्रत्याहार एवं धारणा का स्वरूप। अष्टांग योग के अंतर्गत ध्यान एवं समाधि का स्वरूप।	**10**
III	आयुर्वेद का परिचय एवं मूलभूत सिद्धान्त। दिनचर्या, ऋतुचर्या एवं सद्वृत्त का स्वास्थ्य - संरक्षण में महत्त्व । मानव शरीर के प्रमुख अवयव, उनकी रचना एवं क्रिया का परिचयात्मक ज्ञान। व्यक्तिगत एवं सामाजिक स्वास्थ्य-संवर्धन के नियम। घरों एवं उनके आसपास पायी जाने वाली औषधियों का सामान्य परिचय ।	**10**

IV	चिकित्सा में प्रयोग होने वाली विभिन्न औषधियों के निर्माण सम्बन्धी सामान्य- परिचय । किशोरियों की स्वास्थ्य-सम्बन्धी सामान्य समस्याऐं एवं उनके बचाव के उपाय। आयुर्वेद में शल्य-कर्म का परिचय। आयुर्वेदीय चिकित्सा के सामान्य सिद्धान्तों का परिचयात्मक ज्ञान। पञ्चकर्म चिकित्सा का परिचयात्मक-ज्ञान।	**10**
V	जीवनोपयोगी सूक्तियाँ - भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम। ऋग्वेद 1.89.8 यद् भद्रं तन्न आ सुव। ऋग्वेद 5.82.5. तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु। यजुर्वेद 34.1 मित्रस्य चक्षुषा भूतानि समीक्षे। यजुर्वेद 36.18 पश्येम शरदः शतम्। यजुर्वेद 36.24 एकं सद्विप्रा बहुधा वदन्ति। ऋग्वेद 1.164.46 आचारप्रभवो धर्मः। अनुशासन पर्व 149.137 अद्भिर्गात्राणि शुध्यन्ति मनः सत्येन शुध्यति। विद्यातपोभ्यां भूतात्मा बुद्धिर्ज्ञानेन शुध्यति॥ (मनु 5/109) अन्नदानं परं दानं विद्यादानमतः परम्। न्नेन क्षणिका तृप्तिर्यावज्जीवं च विद्यया॥ (सुरभा - 158/217) अन्यायोपार्जितं द्रव्यं दश वर्षाणि तिष्ठति। प्राप्ते चैकादशे वर्षे समूलं च विनश्यति॥ (चा नीति: - 15/6) अभिवादनशीलस्य नित्यं वृध्दोपसेविनः। चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्॥ (मनु 2/121) अभ्यासेन क्रियाः सर्वाः अभ्यासात् सकलाः कलाः। अभ्यासाद् ध्यानमौनादि किमभ्यासस्य दुष्करम्॥ (हठयोगप्रदीपिका) अमन्त्रमक्षरं नास्ति नास्ति मूलमनौषधम्। अयोग्यः पुरुषो नास्ति योजकस्तत्र दुर्लभः॥ (सुर भा - 156/158)	**10**

	अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम् । उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ (सुरभा - 70/1) अर्थनाशं मनस्तापं गृहे दुश्चरितानि च । वञ्चनं चापमानं च मतिमान्न प्रकाशयेत् ॥ (चाणक्य नीतिः - 7/9) अलसस्य कुतो विद्या अविद्यस्य कुतो धनम् । अधनस्य कुतो मित्रम् अमित्रस्य कुतः सुखम् ॥ (सुरभा-160/320) वृत्तिकं त्यजेद्देशं वृत्ति सोपद्रवां त्यजेत् । त्यजेन्मायाविनं मित्रं धनं प्राणाहरं त्यजेत् ॥ (सुरभा153/29) आचारः कुलमाख्याति देशमाख्याति भाषणम् । संभ्रमः स्नेहमाख्याति वपुराख्याति भोजनम् ॥ (चाणक्य नीति 3/2) काव्यशास्त्रविनोदेन कालो गच्छति धीमताम् । व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ॥ (सुरभा - 153/23) कोऽतिभारः समर्थानां किं दूरं व्यवसायिनाम् । को विदेशः सविद्यानां कः परः प्रियवादिनाम् ॥ (चा नीति - 3/13) क्षणशः कणशश्चैव विद्यामर्थं च साधयेत् । क्षणत्यागे कुतो विद्या कणत्यागे कुतो धनम् ॥ (सुरभा) क्षमातुल्यं तपो नास्ति न सन्तोषात्परं सुखम् । न तृष्णायाः परो व्याधिर्न च धर्मो दयापरः ॥ (सुरभा- 166/600) गच्छतस्स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः । हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति सज्जनाः ॥ (सुरभा गते शोको न कर्तव्यो भवितव्यं न चिन्तयेत् । वर्तमानेन कालेन प्रवर्तन्ते विचक्षणाः ॥ (चा०नीति :- 13/2) चक्षुः पूतं न्यसेत्पादं वस्त्रपूतं जलं पिबेत् । सत्यपूतां वदेद् वाचं मनःपूतं समाचरेत् ॥ (सुरभा - 156/141) जलबिन्दुनिपातेन क्रमशः पूर्यते घटः ।	

	स हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च ॥ (चा नीतिः - 12/21) त्यजेदेकं कुलस्यार्थे ग्रामस्यार्थे कुलं त्यजेत्। ग्रामं जनपदस्यार्थे ह्यात्माऽर्थे पृथिवीं त्यजेत् ॥ (चा नीति: - 3/10) ददाति प्रतिगृह्णाति गुह्यमाख्याति पृच्छति। भुङ्क्ते भोजयते चैव षड्विधं प्रीतिलक्षणम् ॥ (सुरभा- 159/269) दुर्बलस्य बलं राजा बालानां रोदनं बलम्। बलं मूर्खस्य मौनित्वं चौराणामनृतं बलम् ॥ (सुरभा - 162/393) दुर्लभ संस्कृतं वाक्यं दुर्लभः क्षेमकृत्सुतः। दुर्लभा सदृशी भार्या दुर्लभः स्वजनः प्रियः ॥ (सुरभा - 161/386) देवे तीर्थे द्विजे मन्त्रे दैवज्ञे भेषजे गुरौ। यादृशी भावना यस्य सिद्धिर्भवति यादृशी ॥ (सुरभा - 168/668) द्वाविमौ पुरुषौ लोके स्वर्गस्योपरि तिष्ठतः। प्रभुश्च क्षमया युक्तो दरिद्रश्च प्रदानवान् ॥ (सु रभा - 155/107) धनिकः श्रोत्रियो राजा नदी वैद्यस्तु पञ्चमः। पञ्च यत्र न विद्यन्ते न तत्र दिवसं वसेत् ॥ (चा नीति - 1/9) न कश्चित् कस्यचिन्मित्रं न कश्चित् कस्यचिद्रिपुः। व्यवहारेण जायन्ते मित्राणि रिपवस्तथा ॥ (सुरभा- 161/346) न कश्चिदपि जानाति किं कस्य श्वो भविष्यति। अतः श्वः करणीयानि कुर्यादद्यैव बुद्धिमान् ॥ (सुरभा154/ 40) न गणस्याग्रतो गच्छेत्सिद्धे कार्ये समं फलम्। यदि कार्यविपत्तिः स्यात् मुखरस्तत्र हन्यते ॥ (सुरभा-153/33) न देवो विद्यते काष्ठे न पाषाणे न मृण्मये। भावे हि विद्यते देवस्तस्माद्भावो हि कारणम् ॥ (चा नीति: 8/12) पठतो नास्ति मूर्खत्वं जपतो नास्ति पातकम्। मौनिनः कलहो नास्ति न भयं चास्ति जाग्रतः ॥ (सुरभा - 153/5) पदे पदे च रत्नानि योजने रसकूपिका।	

	भाग्यहीना न पश्यन्ति बहुरत्ना वसुन्धरा ॥ (सुरभा- 160/311) पिण्डे पिण्डे मतिर्भिन्ना कुण्डे कुण्डे नवं पयः । जातौ जातौ नवाचारा नवा वाणी मुखे मुखे ॥ (सुरभा - 159/265) पुस्तकेषु च या विद्या परहस्तेषु यद्धनम् । उत्पन्नेषु च कार्येषु न सा विद्या न तद्धनम् ॥ (चा नीतिः - 16/20) प्रथमे नार्जिता विद्या द्वितीये नार्जितं धनम् । तृतीये नार्जितं पुण्यं चतुर्थे किं करिष्यति ॥ (सुरभा - 169/419) प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः । तस्मात्तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता ॥ (चा नीतिः - 16/17) मातृभक्त्या इहलोकं पितृभक्त्या तु मध्यमम् । गुरुभक्त्या पराँल्लोकान् जयत्येव न संशयः ॥ (मनु - 2/233) यः पृष्ट्वा कुरुते कार्यं प्रष्टव्यान् स्वान् हितान् गुरून् । न तस्य जायतेऽविद्या कस्मिंश्चिदपि कर्मणि ॥ (सुरभा - 165/544) यथा चित्तं तथा वाचः यथा वाचस्तथा क्रिया । चित्ते वाचि क्रियायाञ्च साधूनामेकरूपता ॥ (सुरभा-46/36) युक्तियुक्तं प्रगृह्णीयाद् बालादपि विचक्षणः । रवेरविषयं वस्तु किं न दीपः प्रकाशयेत् ॥ (सुरभा- 153/25) युवा वृद्धोऽतिवृद्धो वा व्याधितो दुर्बलोऽपि वा । अभ्यासात् सिद्धिमाप्नोति सर्वकार्येष्वतन्द्रितः ॥ (हठयोग - 1 /66) रङ्कं करोति राजानं राजानं रङ्कमेव च । धनिनं निर्धनं चैव निर्धनं धनिनं विधिः ॥ (चा नीति :- 10/5) राजपत्नी गुरोः पत्नी भ्रातृपत्नी तथैव च । पत्नीमाता स्वमाता च पञ्चैताः मातरः स्मृताः ॥ (सुरभा - 160/326) लोभमूलानि पापानि रसमूलानि व्याधयः । इष्टमूलानि शोकानि त्रीणि त्यक्त्वा सुखी भव ॥ (सुरभा - 158/214)	

	विद्या मित्रं प्रवासेषु भार्या मित्रं गृहेषु च। व्याधितस्यौषधं मित्रं धर्मो मित्रं मृतस्य च॥ (चा नीतिः- 5/15) विद्यार्थी सेवकः पान्थः क्षुधार्तो भयकातरः। भाण्डारी प्रतिहारी च सप्त सुप्तान् प्रबोधयेत्॥ (चा नीतिः- 9/6) विद्वत्त्व च नृपत्वं च नैव तुल्यं कदाचन। स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान् सर्वत्र पूज्यते॥ (सुरभा - 38/7) शनैः पन्थाः शनैः कन्थाः शनैः पर्वतमस्तके। शनैर्विद्या शनैर्वित्तं पञ्चैतानि शनैः शनैः॥ (सुरभा156/126) शीलं शौर्यमनालस्यं पाण्डित्यं मित्रसङ्ग्रहः। अचोरहरणीयानि पञ्चैतान्यक्षयो निधिः॥ (सुरभा - 159/253) षड् दोषाः पुरुषेणेह हातव्या भूतिमिच्छता। निद्रा तन्द्रा भयं क्रोधः आलस्यं दीर्घसूत्रता॥ (विदुरनीतिः - 1 /83) सम्पत् सरस्वती सत्यं संतानं सदनुग्रहः। सत्ता सुकृत् संभारः सकाराः सप्त दुर्लभाः॥ (सुरभा-156/150) सत्येन धार्यते पृथ्वी सत्येन तपते रविः। सत्येन वाति वायुश्च सर्वं सत्ये प्रतिष्ठितम्॥ (चा नीतिः- 5/19) सद्भिरेव सहासीत सद्भिः कुर्वीत सङ्गतिम्। सद्भिर्विवादं मैत्रीं च नासद्भिः किञ्चिदाचरेत्॥ (सुरभा- 153/*3)* सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्धं त्यजति पण्डितः। अर्धेन कुरुते कार्यं सर्वनाशो न जायते॥ (सुरभा 155/90) सुवर्णपुष्पितां पृथ्वीं विचिन्वन्ति त्रयो जनाः। शूरश्च कृतविद्यश्च यश्च जानाति सेवितुम्॥ (सुरभा- 148/254) सेवितव्यो महावृक्षः फलच्छायासमन्वितः। यदि दैवात् फलं नास्ति छाया केन निवार्यते॥ (सुरभा- 164/496) स्वभावेन हि तुष्यन्ति देवाः सत्पुरुषाः पिता। ज्ञातयस्त्वन्नपानाभ्यां वाक्यदानेन पण्डिताः॥ (चा नीतिः- 13/3)	

	हस्तस्य भूषणं दानं सत्यं कण्ठस्य भूषणम्। श्रोत्रस्य भूषणं शास्त्रं भूषणैः किं प्रयोजनम्॥ (सुरभा- 159/291) हीयते हि मतिस्तात हीनैः सह समागमात्। समैश्च समतामेति विशिष्टैश्च विशिष्टताम्॥ (सुरभा- 86/9	

Teaching Learning Process: lecture, Class discussions/ Powerpoint presentations, Class activities/ assignments, etc ....

Suggested Readings:

संस्तुत ग्रन्थाः

1. पातञ्जलयोगदर्शनम्, पतञ्जलि - कृत योगसूत्र, व्यास - भाष्य, वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्ववैशारदी एवं विज्ञानभिक्षु कृत योगवार्त्तिक सहित, (संपादक) नारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी,
2. योगदर्शन, हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर
3. पातञ्जलयोगदर्शनम्, सुरेशचंद श्रीवास्तव, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी हठप्रदीपिका, कैवल्य धाम, लोनावला, पुणे
4. प्राकृतिक आयुर्विज्ञान, राकेश जिन्दल, आरोग्य सेवा प्रकाशन, उमेश पार्क, मोदीनगर
5. यज्ञ-चिकित्सा, ब्रह्मवर्चस, शांतिकुंज, हरिद्वार
6. योग तथा मानसिक स्वास्थ्य, पी.डी. मिश्र, रॉयल बुक कंपनी, लखनऊ
7. योग एवं स्वास्थ्य, पी. डी. मिश्र, रैपिडेक्स बुक्स, पुस्तक महल
8. आसन प्राणायाम मुद्राबन्ध - स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, मुंगेर, बिहार
9. सूर्यकिरण चिकित्सा - विज्ञान, अमर जीत, खंडेलवाल प्रकाशन, जयपुर
10. नेचर क्योर फिलासफी एंड मेथड्स, पी.डी. मिश्र, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
11. चरक-संहिता, (सम्पा०) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005
12. अष्टाङ्गहृदयम्, वाग्भट, (सम्पा.) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली, पुनर्मुद्रित 2014 आयुर्वेद का दर्शन क्रिया शरीर एवं स्वस्थवृत्त - ब्रह्मवर्चस
13. स्वस्थवृत्त - श्री रामहर्ष सिंह
14. आयुर्वेद के सिद्धान्त एवं उनकी उपादेयता - डॉ लक्ष्मीधर द्विवेदी
15. पदार्थ विज्ञान - डॉ योगेश चन्द्र मिश्र
16. अष्टाङ्गहृदयम् ऑफ वागभट्ट - डॉ कांजीवलोचन
17. अष्टाङ्ग संग्रह - डॉ (श्रीमती) शैलजा श्रीवास्तव (व्याख्याकार)
18. चरक संहिता - भाग 1 - श्री पं० काशीनाथ शास्त्री (हिन्दी व्याख्याकार)
19. आयुर्वेद का बृहद् - इतिहास, अत्रिदेव विद्यालङ्कार, हिन्दीसमिति, उत्तरप्रदेश शासन लखनऊ, द्वितीय संस्करण 1976
20. संस्कृत-वाङ्मय का बृहद्-इतिहास, बलदेव उपाध्याय, आयुर्वेद का इतिहास (सप्तदश-खण्ड), उत्तरप्रदेश-

<table>
<tr><td>
संस्कृत-संस्थान, लखनऊ 2006
21. आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
22. आयुर्वेद- इतिहास एवं परिचय, विद्याधर शुक्ल एवं रविदत्त त्रिपाठी, चौखंबा, वाराणसी
23. संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद, अतिदेव विद्यालङ्कार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी प्रथम संस्करण, 1956
24. लघुसिद्धान्त कौमुदी - भैमी व्याख्या, प्रथम भाग, भीमसेन शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन
25. वर्णध्वनि - विज्ञान - डॉ. ब्रह्मदेव विद्यालङ्कार, e-book on "aryamantavya.in"
26. सुभाषितानां भाषा - संस्कृतसम्वर्धनप्रतिष्ठानम्
27. सुभाषित रत्न भाण्डागार - काशीनाथ शर्मा, भारतीय विद्या संस्थान
28. सुभाषित रत्न भाण्डागार - नारायण राम आचार्य
</td></tr>
<tr><td>This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: सर्वेषां कृते ....</td></tr>
<tr><td>
Suggested Continuous Evaluation Methods:
प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-
(क) पाठ्यक्रम के विषयों पर आधारित अधिन्यास (assignment) 15 अंक
(ख) लिखित-परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक
</td></tr>
<tr><td>Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध ....</td></tr>
<tr><td>Suggested equivalent online courses: ....</td></tr>
<tr><td>Further Suggestions: ………………………………………………………………………………</td></tr>
</table>

Programme/Class: UG **कौशल विकास (Skill Dovelopment)**	Year:	Semester:

Subject: **संस्कृतम्**

Course Code:	Course Title: **सम्भाषण-संस्कृतम् (Spoken Sanskrit)**	**Theory**

Course outcomes:

अधिगम उपलब्धय:

1. सरल एवं रुचिकर विधि 'संस्कृत कठिन है' इस प्रवाद के निवारण में सहायक होगी।
2. संस्कृत को विषय के रूप में चुनने के लिए उद्यत हो सकेंगे।
3. संस्कृत-संभाषण भाषा और संस्कृति के प्रति स्वाभिमान उत्पन्न करेगा।
1. 4. भारत की आत्मा अध्यात्म को समझने में यह कोर्स सहायक होगा।

Credits: 4	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	**Topics**	**No. of Lectures व्याख्यान संख्या**
I	गीतम् - पठत संस्कृतम्..........। मम नाम - भवतः नाम किम् ? भवत्याः नाम किम् ? द्वयोः मध्ये परिचयः। परस्परं पञ्च जनान।सः कः ? सा का ? तत् किम् ? एषः, एषा, एतत्। अहम्, भवान् भवती......... अभिनयः। आम्,न, वा/किम्.. . अभिनयः। अस्ति, नास्ति.. ..... अभिनयः। अत्र, तत्र, कुत्र, सर्वत्र, अन्यत्र, एकत्र अभिनयः। षष्ठी तस्य, एतस्य कस्य, तस्याः, एतस्याः, कस्याः, मम, भवतः, अभिनयः। मम नासिका, भवतः नासिका, भवत्याः नासिका। एतत् कस्य? अङ्गानि प्रदर्श्य प्रश्नः। दशरथस्य ..., सीतायाः..., लेखन्याः..., पुस्तकस्य ...,। स्फोरकपत्रस्य (Flash Card) उपयोगः करणीयः। 'पुत्रः' 'पतिः' इत्यादीनां वाक्यपत्त्राणाम् (Charts) उपयोगः करणीयः। आवश्यकम्, मास्तु, पर्याप्तम्, धन्यवादः, स्वागतम्। पूर्वनिश्चितसम्भाषणप्रदर्शनम्। क्रियापदानां पाठनम् - गच्छति। आगच्छति। पठति। लिखति। खादति। पिबति। क्रीडति। वदति। उत्तिष्ठति। उपविशति। गच्छामि। आगच्छामि.........। गच्छतु। आगच्छतु.... ....। सङ्ख्याः - (अ) 1, 2, 3, 4, 10 (आ) 10, 20, 30,........... 100। समयः - 5.00, 5.15, 5.30, 4.45। कथा गतानुगतिको लोकः। (काचित् कथा सरलया भाषया वक्तव्या)। रटनाभ्यासः (पूर्वमेव लिखितानि पठितानि च कानिचित् वाक्यानि वाचनीयानि)। एकं वाक्यम् (प्रत्येकं छात्रः एकं वाक्यं वदेत्।)	**10**
II	शब्देषु लिङ्गभेदज्ञापनम् - यथा सः सुधाखण्डः, सा कुञ्चिका, तत् पुष्पम्।	**10**

	बहुवचनपाठनम् - बालका....., बालिका...., लेखन्यः..., पुस्तकानि ...। ते, के, ताः, काः, तानि, कानि, एते, एताः, एतानि भवन्तः, भवत्यः, वयम्। (चित्राणि उपयोक्तव्यानि।) वचनपरिवर्तनाभ्यासः। यथा सः बालकः - ते बालकाः। अस्ति - सन्ति। कति? सप्तमी - हस्ते। उत्पीठिकायाम्। लेखन्याम्। पुस्तके। (स्फोरकपत्रस्य प्रयोगः करणीयः।) वाक्यपत्रस्य उपयोगेन वाक्यानि वाचनीयानि। कदा? उत्तराणां प्रश्नाः। (शिक्षकः आरम्भे उत्तरं वदेत्, अनन्तरं छात्राः तस्य प्रश्नं पृच्छेयुः।) यथा - रामः प्रातःकाले शालां गच्छति। रामः कदा शालां गच्छति? अद्य, श्वः, परश्वः, प्रपरश्वः, ह्यः, परह्यः, प्रपरह्यः, इदानीम्। गच्छन्ति। गच्छामः। गच्छन्तु। शिष्टाचारः - सुप्रभातम्/नमस्कारः/शुभरात्रिः/हरिः ओम् / क्षम्यताम् / चिन्ता मास्तु। प्रातर्विधिः - दन्तधावनम् इत्यादयः शब्दाः पाठनीयाः। सङ्ख्या 1-50। समयः 6.05, 6.10, 5.55, 5.50। स्वागतसम्भाषणम्। (शिक्षकः सहशिक्षकेण सह कृत्वा प्रदर्शयेत्) कथा। रटनाभ्यासः। वाक्यद्वयम् (प्रत्येकम् अपि छात्रः वाक्यद्वयं वदेत्।)	
III	क्रियापदानां बहुवचनरूपाणि। गच्छन्ति - गच्छामः - गच्छन्तु (Chart दर्शनीयम्) पिबन्ति - पिबामः पिबन्तु। लिखन्ति लिखामः लिखन्तु। इत्यादिपरिवर्तनाभ्यासः कारणीयः। द्वितीयाविभक्तिः स्फोरकपत्राणाम् उपयोगः। (वाक्यपत्राणि उपयुज्य वाक्यानि वाचनीयानि।) कृपया ददातु - वस्तुनि प्रदर्श्य। शिक्षकः एकैकं वस्तु प्रदर्शयति। उदा. सन्थः, घटी, छात्राः - कृपया सन्थं ददातु, कृपया घटीं ददातु इत्यादि वदेयुः। (स्फोरकपत्रस्य उपयोगः) पुरतः, पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, उपरि, अधः। (चित्र दर्शनीयम्) इतः, ततः, ...तः, गृहतः, कुतः ? (स्फोरकपत्त्राणाम् उपयोगः) वाक्यपत्त्राणि उपयुज्य वाक्यानि वाचनीयानि। कथम्? सम्यक्। शीघ्रम् - मन्दम्। उच्चैः शनैः। पठनार्थम्, किमर्थम् ? सप्तककाराः - किम्, कुत्र, कति, कदा, कुतः, कथम्, किमर्थम् (Chart प्रदर्शनीयम्)। एकैकम् उपयुज्य परस्परं प्रश्नाः। अपि। अस्तु। अहं न जानामि। - कानिचन वाक्यानि। भूतकालीनक्रियापदानां पाठनम्। गतवान् - पठितवान् - लिखितवान्। गतवती - पठितवती - लिखितवती। क्रियापदकोष्ठकस्य प्रथमपृष्ठस्य अभ्यासः। द्वितीयपृष्ठस्य सर्वाणि क्रियापदानि उपयुज्य छात्राः वर्तमानकाले वाक्यानि वदन्ति। (ए.व - ब.व.) विशिष्टक्रियापदानाम् अभ्यासः - करोमि - कुर्मः। करोति - कुर्वन्ति। ददामि - दद्मः। ददाति - ददति। शृणोमि - शृणुमः। शृणोति - शृण्वन्ति। जानामि – जानीमः। जानाति - जानन्ति। सम्बोधनम् - भोः !, श्रीमन् !, मान्ये !, भगिनि !, मित्र !, .. महोदय !, राम !, सीते ! इत्यादि। सङ्ख्या - 1-100 समयः 1.00, 2.00, 3.00, 4.00।	**10**

	सम्भाषणप्रदर्शनम् (मित्रसंलापः)। कथा। वाक्यत्रयम् एकैकोऽपि छात्रः वदेत्।	
IV	अतः, इति, अस्मि, यदि -तर्हि, यथा - तथा, तः - पर्यन्तम् (वाक्यपत्रस्य उपयोगेन वाक्यानि वाचनीयानि।) अद्य आरभ्य कृते (वाक्यपत्रस्य उपयोगः करणीयः) क्तवतुप्रत्ययान्तानाम् अभ्यासः गतवान् - पठितवान् - लिखितवान् (ए.व. पुंलिङ्गे)। गतवती - पठितवती - लिखितवती (ए.व. स्त्रीलिङ्गे)। गतवन्तः - पठितवन्तः - लिखितवन्तः (ब.व. पुंलिङ्गे)। गतवत्यः - पठितवत्यः - लिखितवत्यः (ब.व. स्त्रीलिङ्गे)। सः गतवान् - सा गतवती - लिङ्गपरिवर्तनाभ्यासः। अहं गतवान् - अहं गतवती - लिङ्गपरिवर्तनाभ्यासः। क्रियापदानां कालपरिवर्तनाभ्यासः। यथा - गच्छति - गतवान्, गतवती। विशेषपाठनम् आसीत्, आसन्, आसम्। एकः, एका, एकम् - लिङ्गभेदः ज्ञापनीयः। (स्फोरकपत्रस्य उपयोगः) भोजनसम्बन्धिशब्दाः यथा - सूपः, शाकम्, इत्यदयः। सङ्ख्या। समयः। ॐ – सङ्ख्याक्रीडा। कथा। सम्भाषणप्रदर्शनम्। चत्वारि वाक्यानि। वाहनानां नामानि। तृतीयाविभक्तिः - दण्डेन, मापिकया, लेखन्या, पुष्पेण। (वाक्यपत्रस्य आधारेण वाक्यानि वाचनीयानि।) सह, विना। अद्यतन, ह्यस्तन, श्वस्तन, पूर्वतन, इदानीन्तन भविष्यत्कालीनक्रियापदानां पाठनम्। गमिष्यति, पठिष्यति, लेखिष्यति। (कोष्ठकस्य साहाय्येन) गत, आगामि। अभवत्। क्व प्रयोगः (कोष्टकस्य साहाय्येन)। यदा तदा। बन्धुवाचकशब्दाः। वेशभूषणानां नामानि। वर्णाः। रुचयः। क्रीडा- एक श्वासेन सङ्ख्याकथनम्। कथा। पञ्च वाक्यानि।	**10**
V	वारम्। यतः परिवर्तनाभ्यासः। यद्यपि, तथापि। यत्र तत्र। कति कियत् एतयोः भेदज्ञापनम्। वारम्। अतः यावत्, तावत्। यत्, तत्। यः सः। या, सा। अस्माकम्। चर्चा। सङ्ख्या 'शतायुः गतायुः' क्रीडा। विनोदकणिकाकथनम्। कथा। अष्ट वाक्यानि। चित्। .... द्वयम्। (पुस्तकद्वयम्, बालकद्वयम्) सङ्ख्यासु लिङ्गभेदः। एक: एका - एकम् द्वयम् - द्वयम् - द्वयम् त्रयः - तिस्रः - त्रीणि, चत्वारः - चतस्रः - चत्वारि शिक्षकः- अहं वैद्यः - मम नाम सुरेशः (छात्राः तमुद्दिश्य प्रश्नान् पृच्छेयुः।) अर्थम् (समाजार्थम्, संस्कृतकार्यार्थम्...)। तव्यत् - अनीयर्। अनन्त्यकथारचना। सङ्ख्यान्वेषणम् (क्रीडा)। छातैः सह प्रश्नोत्तरम्। समाजनिधिविषये पुनःस्मारणम्। पत्रलेखनम्। दूरवाणीसम्भाषणम्। मार्गनिर्देशः गन्तव्यम् इत्यादि। तव्यत् अभ्यासार्थम् - अद्य किं किं करणीयम् ? सान्दर्भिक भाषणम् - 1. प्रवासात् प्रतिनिवर्तनस्य। 2. आपणिकस्य इत्यादि। क्रीडा - सङ्ख्यायोजनम् (गणद्वये)। शुभाशयाः। असत्यकथनम्/कल्पनाकथनम्। पत्राचारप्रगत-शिक्षणादिविषये सूचना।	**10**
Teaching Learning Process: lecture, Class discussions/ Powerpoint presentations, Class		

activities/ assignments, etc…………………………………………………………
Suggested Readings: **संस्तुत ग्रन्था:** **29.** अभ्यासपुस्तकम् - संस्कृतभारती, बंगलुरू **30.** सुभाषितानां भाषा - संस्कृतसम्वर्धनप्रतिष्ठानम् **31.** सुभाषित रत्न भाण्डागार - काशीनाथ शर्मा, भारतीय विद्या संस्थान **32.** सुभाषित रत्न भाण्डागार - नारायण राम आचार्य
This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: सर्वेषां कृते …………………………………………………………
Suggested Continuous Evaluation Methods: **प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-** **(क)** पाठ्यक्रम के विषयों पर आधारित अधिन्यास (assignment) 15 अंक **(ख)** लिखित-परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) 10 अंक
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध ………………………………………………
Suggested equivalent online courses: ………………………………………………
Further Suggestions: ………………………………………………………………………